जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 227 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 14 मार्च, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अकादमी अवॉर्ड समारोह में तेलुगू फिल्म आर आर आर के गाने ''नाटू-नाटू'' को ''ओरिजनल सॉन्ग'' कैटगरी में ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। आर आर आर के इस गाने ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है और एक बार फिर देश को गर्व करने का मौका मिला है। इससे पहले इस गाने को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड भी मिल चुका है। ऑस्कर अवॉर्ड नाइट में गायक राहुल सिप्लिगुंज और काल भैरव ने स्टेज पर ''नाटू- नाटू'' गाने पर लाइव परफॉरमैंस दी। इस दौरान स्टेडियम में मौजूद सभी लोग ''नाटू -नाटू'' की धुन पर झूम उठे। संगीतकार एम.एम. कीरावानी का यह गीत पिछले साल अमेरिका में फिल्म की रिलीज़ के बाद ग्लोबल सैन्सेशन बन गया था। हिंदी में यह गाना ''नाचो नाचो'', तमिल में ''नट्टू कूथु'' और कन्नड़ में ''हल्ली नातु'' के रुप में रिलीज किया गया था। अगर नाटू शब्द की बात करें तो इसका मतलब है नाचना। इस गाने में कई अलग-अलग लोगों के नाचने के उदाहरण देते हुए बताया गया है कि, इस तरह नाचिए, जैसे लोकदेवता के किसी फैस्टिवल के लीड डांसर नाचते हैं, जैसे बच्चे बरगद के पेड़ के नीचे नाचते हैं...आदि।

प्रियंका गांधी के पी. ए. संदीप सिंह के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज

अभिनेत्री व कांग्रेस में सक्रिय अर्चना गौतम के पिता ने यह एफ.आई.आर. उत्तर प्रदेश में मेरठ के पास दर्ज करवाई है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- जैसा कि विदित ही है, अर्चना गौतम एक एस.सी. वर्ग की महिला हैं, अतः एस.सी. के व्यक्ति द्वारा दर्ज एफ.आई.आर. काफी गंभीर मामला बन जाता है।
- इसीलिए संदीप सिंह ने अब कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान में शरण ली है, क्योंकि भाजपा की यू.पी. सरकार किसी कांग्रेस के नेता के मामले में थोड़ा भी नरम रूख रखे, इसकी कतई उम्मीद नहीं है।
- प्राप्त जानकारी के अनुसार, संदीप सिंह के खिलाफ पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं के साथ बदसलूकी व अपमानजनक भाषा के उपयोग की कई शिकायतें हैं।
- प्रियंका गांधी यू.पी. की इंचार्ज हैं, अतः उनके पी.ए., क्योंकि, वे परोक्ष रूप से कांग्रेस पार्टी के यू.पी. के मामलों में अपना पूरा दखल रखते हैं, में गुरूर आना स्वाभाविक ही है।
- उनके (संदीप सिंह) के खिलाफ की गई शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है, अतः अब थक हार कर कांग्रेस नेताओं ने एफ.आई.आर. का रास्ता ढूंढा है।

नई दिल्ली, 13 मार्च। प्रियंका गांधी के पी.ए. संदीप सिंह इस समय बहुत बड़े संकट में हैं। उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है क्योंकि एक अभिनेत्री तथा कांग्रेस ऐक्टिविस्ट अर्चना गौतम, जो अनुसूचित जाति की भी हैं, की शिकायत पर, उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज हो गई है।

कानून के तहत, किसी अनुसूचित जाति के व्यक्ति और वो भी एक महिला, को परेशान करना तथा उसके साथ दुर्व्यवहार करना या अपशब्दों का प्रयोग करना गंभीर अपराध है तथा इसमें गिरफ्तारी हो सकती है।

इस आशंका और संभावना के चलते, संदीप सिंह कांग्रेस-शासित राजस्थान में छिपे हुये हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश, जो भाजपा शासित राज्य है, का झुकाव प्रियंका गांधी के स्टाफ के पक्ष में कदापि नहीं होगा।

इस शिकायत पर अर्चना गौतम के पिता ने (मेरठ के पास) उत्तर प्रदेश में एक एफ.आई.आर. दर्ज कराई है।

समझा जाता है कि उनके खिलाफ एक से अधिक केस हैं तथा उनके खिलाफ ये केस मूलतः उत्तर प्रदेश के उन कांग्रेसजनों ने दर्ज कराये हैं जो उनकी अकड़, अहंकार और सत्ता की राजनीति के शिकार थे।

प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश की पार्टी प्रभारी हैं और उनके सर्वशक्तिमान पी.ए.के. रूप में, संदीप सिंह उत्तर प्रदेश में पार्टी को चला रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि उनके खिलाफ दर्ज शिकायतें नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा के प्रयोग तथा उनके दबदबे से संबंधित हैं लेकिन प्रियंका गांधी ने उनके खिलाफ एक शब्द तक सुनने से साफ इंकार कर दिया है। इस प्रकार के परिदृश्य में, उत्तर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के पास पुलिस के पास जाने तथा उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के अलावा शायद ही कोई विकल्प बचा है।

सिलिकॉन वैली बैंक के बाद एक और बैंक डूबेगा अमेरिका में?

अमेरिका के ''सिग्नेचर बैंक'' को चलाना संभव नहीं लग रहा, अतः सरकार ''सिस्टमैटिक'' तरीके से इसे बंद करने की दिशा में बढ़ रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, इन घटनाओं से हिन्दुस्तान के बैंकिंग सैक्टर को घबराने की खास जरूरत नहीं है।
- पर, इन बैंकों के बंद होने का मनोवैज्ञानिक असर तो जरूर होगा। उदाहरण के लिये, फिलहाल रिज़र्व बैंक ने महंगाई को थामने के लिये, ब्याज दर बढ़ाने का इरादा त्याग दिया है।

नई दिल्ली, 13 मार्च। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि अमेरिका के एक स्टार्ट-अप उन्मुखी बैंक सिलीकॉन वैली बैंक (एस.वी.बी.) के दिवालिएपन ने यह आशंका पैदा कर दी है कि इसका असर भारतीय वित्तीय बाजारों पर भी पड़ेगा जिसके परिणामस्वरूप भारत के शेयर बाजारों में तेजी से गिरावट दर्ज की जाएगी।

जैसा कि इस अखबार में पिछले हफ्ते बताया गया था कि अमेरिकी बैंकों की विफलता भारतीय वित्तीय बाजारों और कुछ स्टार्टअप फर्म्स की संभावनाओं पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल रही है।

दिन में भारतीय स्टॉक मार्केट्स में नरमी का रूख रहा, जिसका निशाना मुख्यतः बैंक और फायनैंशियल कम्पनियों के शेयर रहे। इसकी वजह से इनके बाजार पूंजीकरण में 7 लाख करोड़ रूपयों से अधिक की गिरावट आई। वास्तव में, भारतीय वित्तीय बाजार जापान जैसे वित्तीय बाजार से संकेत ले रहे थे। जापान में सोमवार को बाजार खुलते ही गिरावट का रूख रहा।

स्टार्टअप सैक्टर भी तनावग्रस्त हो गया है क्योंकि कई स्टार्टअप्स ने एक विफल बैंक में अपने फण्ड्स जमा कराए और जमा की पर्ची भी नहीं ली, तथापि इस स्थिति में थोड़ा सा सुधार उस आश्वासन से है, जो अमेरिका के ''फायनैंशियल रैग्युलेटर्स एण्ड डिपोज़िट इंश्योरैंस कारपोरेशन'' ने दिया है। उसने कहा है कि एस.वी.बी. के जमाकर्ताओं को उनका एक-एक पैसा लौटाया जाना चाहिए।

समूचे टैक्नोलॉजी सैक्टर से विपरीत खबर है। इसके अलावा अमेरिका के फैडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में की जा रही निरन्तर वृद्धि ने एक ऐसी स्थिति निर्मित कर दी थी कि उससे बैंकों का असैट बेस धीरे-धीरे कम होने लगा।

एस.वी.बी. के अलावा अमेरिका का एक अन्य ''सिग्नेचर बैंक'' भी ठप्प होने की प्रक्रिया में है। बदलती परिस्थितियों में बैंक के क्रियाकलाप अलाभप्रद हो गए थे, इसलिए सिग्नेचर बैंक के मैनेजमैंट ने इसे व्यवस्थित रूप से बंद करने का निर्णय लिया।

अमेरिका में लगातार दो बैंकों के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'पहली बार देखा है कि सत्तारूढ़ पार्टी संसद ठप्प करा रही है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। बजट सत्र में दूसरे हिस्से के पहले ही दिन सोमवार को

- कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राहुल के माफीनामा के मुद्दे पर संसद में सत्तारूढ़ पार्टी के हंगामे पर टिप्पणी की।

संसद पूरे दिन के लिये स्थगित कर दी गई

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'इलाहाबाद हाई कोर्ट परिसर से मस्जिद हटाई जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अधिकारियों को आदेश दिए कि तीन माह के भीतर इलाहाबाद हाई कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, तीन माह के भीतर हाई कोर्ट परिसर से मस्जिद हटा दी जाए।

परिसर से मस्जिद हटाई जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता वक्फ

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अलवर में बनेगा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। केन्द्र सरकार ने तीन और ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट्स बनाने की मंजूरी दी है। ये राजस्थान के अलवर, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और हिमाचल प्रदेश के मंडी

- नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, रिटायर्ड जनरल वी.के. सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि, राजस्थान में अलवर, मध्य प्रदेश में सिंगरौली व हिमाचल में मंडी सहित कुल तीन शहरों में नए ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाए जाएंगे।

में बनाए जाएंगे।

राज्यसभा में नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री रिटायर्ड जनरल डॉ.वी.के. सिंह ने एक लिखित जवाब में दी।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट प्रोजैक्ट के क्रियान्वयन की जिम्मेवारी जिसमें

(शेष पृष्ठ 5 पर)

तेलंगाना में विधानसभा चुनावों से पूर्व दरारें पड़ीं भाजपा में

प्रदेशाध्यक्ष बंडी संजय की, मु.मंत्री की पुत्री, के. कविता के खिलाफ हल्की टिप्पणी, तत्कालिक कारण बनी भाजपा नेताओं के आपसी झगड़े का

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- तेलंगाना भाजपा में अलग-अलग पृष्ठभूमि से कई लोग आये हैं। इन लोगों की विचारधारा, संस्कृति फर्क होने से, मतभेद उभरना तो अपेक्षित सा ही था।
- पर, अगर शुरू से ध्यान नहीं दिया गया व एहतियात नहीं बरता गया तो, ये मतभेद खाई बन सकते हैं तथा भाजपा, जो तेलंगाना में अच्छे नतीजे दिखाने की स्थिति में थी, कहीं लटक नहीं जाये, आंतरिक मतभेदों के कारण।

नई दिल्ली, 13 मार्च। ऐसे समय पर, जब प्रवर्तन निदेशालय ने अपना पूरा ध्यान तेलंगाना के मुख्यमंत्री की पुत्री के. कविता पर लगा दिया है, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष तथा सांसद बान्दी संजय की ओर से आ रहे अशिष्टतापूर्ण बयानों की जनता द्वारा की जा रही घोर भर्त्सना से राज्य भाजपा इकाई की दरारें उजागर हो गई हैं।

भाजपा, जो विधानसभा चुनावों तथा लोकसभा चुनावों में तेलंगाना में अपनी अच्छी संभावनाएं मानकर चल रही थी, अब अंदरूनी फूट का सामना कर रही है क्योंकि पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष के कामकाज को लेकर स्थानीय नेताओं के मतभेद सामने आ गये हैं। इसे कोढ़ में खाज ही कहा जायेगा कि भाजपा के वरिष्ठ स्थानीय नेता शेखर राव पेराला ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बान्डी संजय पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा है कि संजय मुद्दे उठाते हैं और फिर पैसे बनाने के लिये उन्हे निपटा भी देते हैं। शेखर राव ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया है कि उनके पास इन आरोपों को सिद्ध करने के सुबूत भी हैं। उन्होंने कहा कि अगर नेतृत्व विभिन्न गतिविधियों की अनदेखी करे तो आदमी को सोशल मीडिया का सहारा लेने को मजबूर होना पड़ता है।

पेराला ने इस सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है, ''आज भाजपा की स्थिति ऐसी हो गई है कि वह तीन कदम आगे की तरफ चलती है तो छः कदम पीछे की की ओर जाती है और इसके लिये पूरी तरह दोषी राज्य का पार्टी नेतृत्व है।''

भाजपा में, ऐसी चीजें खुले आम प्रचारित नहीं हुआ करती है। लेकिन अगर किसी को सामने आना पड़ता है और ऐसा करना पड़ता है तो इससे केवल यही संकेत मिलता है कि इस समस्या

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बी.बी.सी. अपना निर्णय बदलने को मजबूर हुई

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने फुटबाल खिलाड़ी गैरी लिनेकर को पुनः उनकी जिम्मेवारी सौंपी बी.बी.सी. ने

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- लिनेकर नियमित रूप से बी.बी.सी. का अति लोकप्रिय प्रोग्राम ''मैच ऑफ द डे'' प्रैज़ैन्ट करते थे।
- पर, इंगलैण्ड की सरकार द्वारा नयी शरणार्थी नीति को लागू करते हुए, जो भाषा काम में ली गई, उसकी खुली आलोचना करते हुए लिनेकर ने ट्वीट किया कि, यह भाषा नाज़ी सरकार काल में ली गयी घृणित भाषा के समकक्ष है।
- शुक्रवार को इस ट्वीट के बाद, लिनेकर को हटा दिया गया था, पर बी.बी.सी. के स्टाफ ने, बी.बी.सी. के इस आदेश का भारी विरोध जताया, स्पोर्ट्स कार्यक्रम नहीं दिखाये जा सके।
- स्टाफ ने बी.बी.सी. के इस कृत्य को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात माना।
- डायरैक्टर जनरल टिम डेवी ने हार मानकर सोमवार को घोषणा की कि, बोर्ड ने निर्णय लिया है कि, लिनेकर पुनः ''मैच ऑफ द डे'' प्रैज़ैन्ट करेंगे।

नई दिल्ली, 13 मार्च। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कारपोरेशन (बी.बी.सी.) ने जनता के निरंतर विरोध के आगे झुकते हुए लोकप्रिय स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर गैरी लिनेकर को सेवामुक्त करने के अपने पूर्व के निर्णय को वापस लेकर उन्हें बहाल कर दिया है।

लिनेकर इंग्लैण्ड में फुटबाल के सर्वाधिक लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और वह बी.बी.सी.के हाइऐस्ट पेड प्रैज़ेन्टर थे। जब उन्होंने प्रवासियों के बारे में कन्ज़रवेटिव सरकार द्वारा प्रयुक्त भाषा की तुलना नाज़ी जर्मनी द्वारा प्रयुक्त की गई भाषा से की थी, तब पिछले शुक्रवार को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। बी.बी.सी. का कहना था कि लिनेकर के ट्वीट ने निष्पक्षता के नियमों का उल्लंघन किया है, जबकि आलोचकों ने उस पर अभिव्यक्ति की आज़ादी का गला घोंटने का आरोप लगाया था।

बी.बी.सी. ने ट्विटर पर डाली गई एक पोस्ट को लेकर उन्हें निलंबित कर दिया था। इस पोस्ट में उन्होंने ब्रिटिश सरकार की शरण देने की नई नीति की आलोचना की थी।

बी.बी.सी. ने यू.के. सरकार की नई शरण प्राप्ति नीति को लेकर की गई आलोचना से उपजे संकट को समाप्त करते हुए सोमवार को कहा कि गैरी लिनेकर उसके फ्लैगशिप फुटबॉल शो ''मैच ऑफ द डे'' में प्रैजैन्टर के रूप में वापसी करेंगे।

बी.बी.सी. महानिदेशक टिम डेवी ने कहा कि ''गैरी बी.बी.सी. का एक अहम हिस्सा हैं, और मुझे उम्मीद है कि वह आगामी सप्ताहांत में हमारी कवरेज को प्रैज़ैन्ट करेंगे।''

गैरी के ट्वीट और फिर बी.बी.सी. द्वारा उनके निलम्बन के निर्णय के बाद उनके साथी प्रैज़ेन्टर्स, विशेषज्ञों और कमैन्टेटर्स ने उनके समर्थन में उसी सप्ताहांत काम करने से इंकार कर इस बॉडकास्टर की स्पोर्ट्स कवरेज को अस्तव्यस्त कर दिया था।

लिनेकर ने सोमवार को ट्वीट किया कि ''मैं ''मैच ऑफ द डे'' को फिर से प्रज़ैन्ट करने के लिए शनिवार की प्रतीक्षा नहीं कर सकता।''

उन्होंने आगे कहा कि ''हालांकि पिछले कुछ दिन काफी कठिन रहे। इसका ये मतलब नहीं कि ये इतने कठिन रहने हों कि आपको उत्पीड़न वाली जगह से भागकर घर आना पड़ा हो या किसी युद्धभूमि से दूर जाकर कहीं शरण लेनी पड़ी हो।''

डेवी ने सेवाओं में व्यवधान के लिए यह कहते हुए क्षमा मांगी कि ''बी.बी.सी. की सोशल मीडिया गायडैन्स के ग्रे एरियाज़ से बनी भ्रामक स्थिति को वह अब समझते हैं।''

(शेष पृष्ठ 5 पर)

वन रैंक वन पैंशन के किश्तों में भुगतान पर रोक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि रक्षा मंत्रालय कानून को हाथों में लेकर, ऐसे पत्र जारी नहीं कर सकता कि वन रैंक वन

- सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने का निर्णय सुनाते हुए कहा कि, रक्षा मंत्रालय वन रैंक वन पैंशन के एरियर का भुगतान चार किश्तों में करने की घोषणा कर कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता।

पेंशन (ओ.आर.ओ.पी.) की बकाया राशि (एरियर्स) का भुगतान चार किश्तों में किया जायेगा। मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच ने मंत्रालय से कहा कि वे 20 जनवरी के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। –फ्रैंकलिन

शोषण का यह सिलसिला आखिर कब रुकेगा?

इस वर्ष हम देश की स्वतंत्रता का 75वां वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। अब भी कई घटनाएं ऐसी सामने आती हैं, जिनसे यह प्रश्न उठता रहता है कि देश में निर्धन, असहाय, कमजोर का शोषण कब तक चलेगा और यह कैसे रुकेगा या रुकेगा भी या नहीं? इसी संबंध में कुछ घटनाएं में पाठकों के साथ साझा करना चाहता हूं।

हमारे यहां पर बिहार का एक युवक काम करता है। इसने अपनी छोटी बहन के विवाह के लिए एक फाइनेंस कंपनी से 80000 का लोन लिया। कुछ दिन पहले उससे बात करने पर पता चला कि फाइल बनाने और प्रोसेसिंग चार्जेस के नाम पर 5000 काटने के बाद उसे कुल 75000 दिए गए। इसकी किश्त प्रतिमाह 4850 थी और उसे यह कर्जा कुल 24 माह में चुकाना था। मुझे लगा कि ब्याज दर अत्यधिक है। इस कारण मैंने उसे यह कहा कि वह कंपनी में पता करें कि यदि वह बकाया सारा पैसा साथ चुका दे, तो उसे कितना पैसा देना होगा? उसने तीन माह पूर्व ही लोन लिया था। उसने कंपनी में जाकर पता किया तो उसे बताया गया कि तीन माह में लगभग 15000 जमा कराने के बाद भी उसके विरुद्ध 78591 बकाया हैं। यदि वह 'अदेया प्रमाण पत्र' चाहता है उसे यह राशि जमा करानी होगी। मैंने उसे यह राशि दे दी और उसने जमा करा कर अदेयता का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। 15000 रुपये चुकाने के बाद भी इतनी बकाया के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण मैंने कंपनी के प्रतिनिधि से फोन पर बात की। उसने बताया कि कंपनी की ब्याज की दर 34 प्रतिशत है क्योंकि उसके पास गारंटी देने या गिरवी रखने के लिए कुछ भी संपत्ति नहीं थी। वैसे भी, किसी निर्धन व्यक्ति के सम्पत्ति होती ही कहाँ है जो वह किसी फाइनेंस कंपनी अथवा बैंक के पास गिरवी रख सके? एक और जहां सामान्य निवेशक को अपने बैंक में जमा राशि पर 3-4 प्रतिशत अथवा एफ.डी.आर. पर कुल 7 प्रतिशत के लगभग ब्याज प्राप्त होता है और बड़े-बड़े उद्योगपतियों को लाखों, करोड़ों रुपए लगभग 8-10 प्रतिशत की ब्याज दर पर उपलब्ध हो जाते हैं, वहीं एक निर्धन युवा को 34 प्रतिशत वार्षिक की दर पर ब्याज देने हेतु बाध्य होना पड़े, तो यह पीड़ा पहुंचाने वाली बात है। शायद इसी कारण, ऊंची ब्याज दर पर ऋण देने वाले साहूकार पनपते हैं और उन्हें साधारण व्यक्तियों का शोषण करने का अवसर मिलता है। जब फाइनेंस कंपनी कानूनी रूप से 34 प्रतिशत ब्याज ले रही है तो साहूकार 20-25 प्रतिशत की ब्याज दर तो बड़ी आसानी से वसूल कर ही सकते हैं।

ऐसे समय में, जब भारत सरकार के मंत्री और प्रधानमंत्री, हर संबोधन में यह कहते हैं कि मुद्रा लोन हेतु 10 लाख तक की राशि बिना किसी गारंटी एवं जमानत के बेरोजगारों को मिल सकती है, किंतु पारिवारिक आवश्यकता होने पर किसी व्यक्ति को ऋण लेने पर 34 प्रतिशत की दर पर ब्याज देना पड़े, तो इसे क्या कहा जाएगा? यदि ऐसी ही परिस्थितियां बनी रहीं, तो यह संभावना नगण्य है कि गरीब व्यक्ति, कभी गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकल सके।

अडानी प्रकरण में शेयरों के भाव में अचानक कमी आने के कारण जिस प्रकार एसबीआई और एलआईसी में निवेश करने वाले सामान्य निवेशकों को खामियाजा भुगतना पड सकता है, वह भी प्रभावी लोगों द्वारा सिस्टम को अपने पक्ष में करके साधारण व्यक्तियों के शोषण करने का ही एक उदाहरण है। कृत्रिम रूप से अपने शेयर के भाव 4200 रुपये तक बढ़ा दिए गए और इसके बाद हिंडन बर्ग की रिपोर्ट के फलस्वरूप यह गिरकर 1200 रुपये हो गए। इसी कारण यह सारी समस्या उत्पन्न हुई है। देश की प्रमुख संस्था सेबी से यह अपेक्षा रहती है कि वह साधारण निवेशकों के हितों की रक्षा करे। जब अडानी समूह में शैल कंपनियों के माध्यम से बड़ी धनराशि लगाई जा रही थी, उस समय सेबी का ध्यान न जाना या उसके द्वारा जानबूझकर ध्यान न दिया जाना, निवेशकों के हित पर कुठाराघात ही सिद्ध हो रहा है। उल्लेखनीय है कि एलआईसी और एस बी आई द्वारा बहुत बड़ी धनराशि अडानी ग्रुप की कंपनियों में निवेश की गई है। अतः अडानी के शेयरों में गिरावट का प्रभाव साधारण निवेशकों पर पड़ना ही था।

> **शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र है जो शोषण से मुक्त हो। शोषण का यह वातावरण इतना सर्वव्यापी है कि स्वास्थ्य का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि जो भी सत्ता - बल धन - बल और शारीरिक - बल का मालिक है उसने कमजोर, वंचितों का शोषण करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है।**

प्रश्न तो यह है कि हमारी व्यवस्था, संपन्न और प्रभावी लोगों को शोषण करने का अवसर प्रदान क्यों करती है? हाल ही में सेबी ने अरशद वारसी एवं उसकी पत्नी के विरुद्ध शेयरों में जानबूझकर बढ़ोतरी करा के उन्हें बेचकर कुछ लाख रुपए कमाने के आरोप में गंभीर कार्यवाही की है। यदि ऐसी ही सावधानी अडानी कंपनियों के शेयरों में लगने वाले धन के बारे में कर ली जाती तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। यह तो भला हो सर्वोच्च न्यायालय का, जिसने इस प्रकरण में निष्पक्ष, ठोस जांच करने हेतु अपने स्तर पर एक समिति का गठन किया है एवं सेबी को भी आदेश दिए हैं कि वह इस बारे में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे। इससे आशा अवश्य जगी है कि शायद एलआईसी आदि कंपनियों में निवेश करने वाले साधारण निवेशकों के हितों की रक्षा हो सकेगी।

शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र है जो शोषण से मुक्त हो। कानूनन, कोई मालिक अपने श्रमिक/अधीनस्थ कर्मचारी से एक निश्चित समय अवधि से अधिक कार्य नहीं करवा सकता है, किन्तु किस प्रकार 12-14 घंटों तक दुकानों, ढाबों या अन्य कार्यस्थलों पर काम लिया जाता है, यह सर्वविदित है। शिक्षण संस्थानों में अच्छे-खासे उच्च शिक्षित शिक्षकों का शोषण आम बात है। पीएचडी जैसी उच्च डिग्रीधारक युवा 10-12000 रुपए मासिक के वेतन पर कार्य करने को मजबूर हैं।

माना जाता है कि शोषण होने पर व्यक्ति पुलिस या न्यायालय की शरण ले सकता है लेकिन ये ही कई बार अतिरिक्त शोषण के कारण बन जाते हैं। पीड़ित, परेशान व्यक्ति जब न्याय पाने की आशा में पुलिस थाने पर जाता है तो वहां भी उसे कई बार अर्थिक, मानसिक शोषण का शिकार होना पड़ता है। जब पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण और पीड़ित शिकायत कर्ता में भय उत्पन्न किया जाय तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश के नागरिकों को शोषण से मुक्ति कौन दिलाएगा? न्याय प्रक्रिया जटिल और महँगी होने के कारण शोषित के लिए न्याय प्राप्त करना सम्भव नहीं होता।

बच्चे, जिनके हाथ में पुस्तक और खिलौने होने चाहियें, यदि ढाबों में देर तक झूठे बर्तन साफ़ करने के लिए मजबूर हों, तो अमृत महोत्सव मनाना बेमानी सा लगता है। विश्वविद्यालयों में शोधार्थियों के शारीरिक शोषण तक की खबरें लगातार आती रही हैं। हालत तो यह हो गई है कि विद्यालयों तक में बालिकाएं यौन शोषण से नहीं बची हैं।

शोषण का यह वातावरण इतना सर्वव्यापी है कि स्वास्थ्य का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। साधारण परिवार के मरीज़ों को किसी न किसी नाम से अत्यधिक धनराशि इन संस्थानों को देने हेतु बाध्य होना पड़ता है चाहे वह आवश्यक-अनावश्यक जांचे हों, महंगी दवाएँ हों या फिर अस्पतालों में बिना आवश्यकता के अधिक समय तक भर्ती रखना हो। अस्पताल में विभिन्न प्रकार की महंगी दवाइयों के नाम पर गरीब मरीजों को कैसे लूटा जाता है, इसके बारे में समाचार हम नियमित रूप से समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं। शोषण की इसी प्रवृत्ति का परिणाम है कि देश की संपत्ति बहुत तेजी से कुछ ही लोगों के हाथों में सिमटती जा रही है और अधिकांश जनसंख्या पहले से कहीं अधिक गरीब होती जा रही है। अमीर और गरीब की बढ़ती खाई इसी शोषणकारी प्रवृत्ति का परिचायक है।

राज्य का दायित्व होता है, वंचित और कमजोर वर्ग के हितों की रक्षा करे और उनको इतना सक्षम बनाएँ कि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें। इन दोनों ही कामों में केंद्र, राज्य सरकार एवं उनकी विभिन्न संस्थाएं सफल नहीं रही हैं, बल्कि सामान्यतया वे, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, शोषणकारी वर्गों के साथ खड़ी दिखाई देती हैं।

गरीबी के कारण एवं गांवों में रोजगार के पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण कई युवा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से एवं दूसरे राज्यों से भी जयपुर जैसे बड़े शहरों में आकर छोटा-मोटा काम करके या फल सब्जी बेचकर अपना गुजारा करने का प्रयास करते हैं। अतिक्रमण हटाने के नाम पर कई बार इन लोगों के ठेलों को उलट दिया जाता है और फल सब्जियों को जप्त कर लिया जाता है। इससे बड़ी मुश्किल से गुजारा चलाते वाले लोग बहुत संकट में आ जाते हैं।

पुलिस, नगर निगम अथवा जेडीए के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का सारा खामियाजा सामान्यतया गरीब व्यक्तियों को ही भुगतना पड़ता है क्योंकि जो व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण महंगी भूमि नहीं खरीद पाते, वे ही मजबूरी में सरकारी भूमि पर छोटा, कच्चा घर बनाकर रहते हैं। दूसरी ओर, जिन प्रभावशाली लोगों द्वारा आलीशान बहुमंजिला इमारतें सभी कानून कायदों को धता बताकर बना ली जाती हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई करने में जेडीए, नगर निगम अथवा राज्य के अन्य संस्थाओं का ध्यान नहीं जाता है। स्पष्ट है कि कानून की पालना भी इसी सिद्धांत को आधार पर होती दिखाई देती है कि 'समरथ को नहिं दोष गुसाईं'। परिणाम स्वरुप, शोषण तो उसी का होना है जो समर्थ नहीं है।

बच्चों के शोषण का एक उदाहरण हाल ही में सामने आया। एक संस्थान द्वारा प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने हेतु एक आयोजन रखा गया जिसमें विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को पुरस्कार लेने हेतु आमंत्रित किया गया था। बच्चों से यह कहा गया था कि वे 9:00 बजे सुबह तक समारोह स्थल पर पहुंच जाएं। स्वाभाविक है, वहां पहुंचने के लिए बच्चों को अपने घरों से 7:00 या 8:00 बजे निकलना पड़ा। समारोह स्थल पर पहुंचते पर पता चला कि समारोह का वास्तविक समय तो 11:30 का था। इसके बाद यह समारोह लगभग 3 घंटे चला और 3:00 बजे तक समाप्त हुआ। इसके पश्चात, बच्चों को वितरण हेतु जो आलू-पूरी के पैकेट दिए गए जो खाने लायक नहीं थे क्योंकि उनमें रखी हुई आलू की सब्जी गर्मी के कारण खराब हो चुकी थी। बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों के स्वागत के लिए बच्चों को कई घंटे इंतजार कराया जाता है। इसे भी शोषण ही कहा जाएगा।

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि जो भी सत्ता - बल धन - बल और शारीरिक - बल का मालिक है उसने कमजोर, वंचितों का शोषण करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मान लिया है। देश को अपने नागरिकों के साथ आगे बढ़ना है तो इस शोषणकारी व्यवस्था को समाप्त करना ही होगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

प्रकृति से रुबरु होंगे तो बढ़ेगी इम्यूनिटी

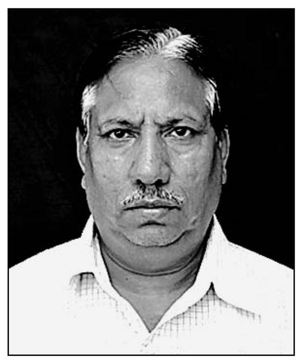

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि चिकित्सकों की माने तो देश में अधिकांश लोगों में विटामिन डी की डेफिसिएंसी है। हो सकता है यह आंकडा अतिशयोक्तिपूर्ण होने के साथ ही अधिक अपर साइड में हो पर इतना तो साफ है कि देश दुनिया में विटामिन डी की कमी के आंकड़े दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। विटामिन डी जिसका सबसे सहज स्रोत केवल कुछ मिनटों तक धूप सेवन से प्राप्त हो सकता है आज उसी की कमी से रोगियों की संख्या अधिक होती जा रही है। दरअसल प्रकृति के अनमोल उपहारों से हम लगातार दूर होते जा रहे हैं। अत्यधिक भागमभाग, शहरीकरण, सीमेंट कंकरीट की गगनचुंबी इमारतें प्रकृति के उपहार से हमें वंचित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मिट्टी, पानी, धूप, की सहजता को छोडकर हम दवाओं, केमिकल्स में ईलाज ढूंढने लगे हैं। दिल्ली एम्स के हालिया अध्ययन में सामने आया है कि हार्ट फेलियर के मरीजों को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी दिया जाए तो उनके लक्षण में काफी कमी आ जाएगी। दरअसल एम्स के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि 70 फीसदी दिल्लीवासियों में विटामिन डी की डेफिसिएंसी पाई गई है। देखा जाए तो विटामिन डी की कमी मस्तिष्क, रक्त संचार प्रणाली, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, मांसपेशियों से संबंधित रोगों में दर्द आॅर कमजोरी, फेफडों के रोगों में अस्थमा और सांस लेने में परेशानी, हड्डियों की कमजोरी और डायबिटिज जैसी बीमारियों का कारक है। एक समय था जब खासतौर से सर्दियों में तो तेल की मालिस कर धूप में बैठना नियमित आदत में शुमार होता था। नौकरीपेशा लोग अवकाश के दिन तो धूप में अवश्य बैठते थे। आज तो हालात यह हो गए कि गर्मी के मौसम में पहली कावश्यक सनवर्न क्रीन को प्राथमिकता दी जाती है।

देखा जाए तो हम मंहगी से मंहगी दवाएं खाने के लिए तैयार है पर केवल और केवल 20 मिनट धूप का सेवन नहीं कर सकते। इसका परिणाम भी साफ है। हड्डियों में दर्द, फ्रेक्चर, जल्दी-जल्दी थकान, घाव भरने में देरी, मोटापा, तनाव, अल्जाइमर जैसी बीमारियां आज हमारे जीवन का अंग बन चुकी है। शरीर की जीवनी शक्ति या यों कहें कि प्रकृति से मिलने वाले स्वास्थ्यवर्द्धक उपहारों से हम मुंह मोड चुके हैं और नई से नई बीमारियों को आमंत्रित करने में आगे रहते हैं। यह आश्चर्यजनक लेकिन जमीनी हकीकत है कि केवल और केवल मात्र पांच प्रतिशत महिलाओं में ही विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। देश की 68 फीसदी महिलाओं में तो विटामिन डी की अत्यधिक कमी है। एम्स के अध्ययन से पहले एसोचैम द्वारा जारी एक रिपोर्ट में सामने आया है कि 88 फीसदी दिल्लीवासियों में विटामिन डी की कमी है। यह स्थिति दिल्ली में ही नहीं अपितु कमोबेस देश के सभी महानगरों में देखने को मिल जाएगी। इसका निदान हमारी जीवन शैली में थोडा से बदलाव करके ही पाया जा सकता है। पर इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आधुनिकता की दौड़ में हम प्रकृति से इस कदर दूर होते जा रहे हैं कि जल, वायु, हवा, धूप, अग्नि और ना जाने कितनी ही मुफ्त में प्राप्त प्राकृतिक उपहारों का उपयोग ही करना छोड दिया है। ऐसा नहीं है कि लोग जानते नहीं है पर जानने के बाद भी आधुनिकता का बोझ इस कदर छाया हुआ है कि हम प्रकृति से दूर होते हुए कृत्रिमता पर आश्रित होते जा रहे हैं। दरअसल हमारी जीवन शैली ही ऐसी होती जा रही है कि प्रकृति की जीवनदायिनी शक्ति से हम दूर होते जा रहे हैं। कुछ तो दिखावे के लिए तो कुछ हमारी सोच व मानसिकता के कारण।

विटामिन डी की कमी के कारण हजारों रुपए के केमिकल से बने दवा तो खाने को हम तैयार है पर केवल कुछ समय का धूप सेवन का समय नहीं निकाल सकते हैं। हम स्कूलों में आयोजित मड उत्सव को तो धूम धाम से मनाने को तैयार है पर क्या मजाल जो बच्चें को खुले में खेलने के लिए छोड दे। मिट्टी में खेलने और खेलते-खेलते लग भी जाने पर प्राकृतिक तरीके से ही इलाज भी हो जाता है। तीन से चार दशक पुराने जमाने को याद करे तो कहीं लग जाने पर खून आता रहे तो वहां पर स्वयं का मूत्र विसर्जन करने या मिट्टी की ठीकरी पीस कर लगाने या चोट गहरी हो तो कपडा जलाकर भर देने या खून लगातार आ रहा हो तो बीडी का कागज लगा देना तात्कालिक ईलाज होता था। आज जरा सी चोट लगते ही हम हॉस्पिटल की और भागते हैं। यह सब तब होता था जब टिटनेस का सर्वाधिक खतरा होता था। यह कटु सत्य है कि योरोपीय देश प्रकृति के सत्य को स्वीकारते हुए प्रकृति की और आने लगे हैं। खाना खाने से पहले हाथ धोने की जो हमारी सनातन परंपरा रही है उस और विदेशी लौटने लगे हैं। अभियान चलाकर हाथ धोने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। क्योंकि अब समझ में आने लगा है कि बाहर से आने पर हमारे शरीर व हाथों में कितने नुकसान दायक वेक्टेरिया होते हैं और वह बिना हाथ धोए खाना खाने पर हमारे शरीर में प्रविष्ठ कर जाते हैं और हमारे सिस्टम को तहस नहस कर देते हैं। स्कूलों में मड उत्सव या रेन डे मनाने का क्या मतलब है, इनमें भी हम बड़े उत्साह से भाग लेते हैं जबकि बरसात में बच्चा जरा सा भीग जाए तो हम उसके पीछे पड जाते हैं। एक जमाना था तब पहली बरसात में क्या बड़े-क्या छोटे नहाकर आनंद लेते थे। यह केवल आनंद की बात नहीं बल्कि गर्मी के कारण हुई भमोरी का प्राकृतिक इलाज भी था। आज हम ना जाने कौन कौन से पाउडरों का प्रयोग करने लगते हैं। ऐसा नहीं है कि विटामिन डी की कमी या प्रकृति से दूर होने की स्थिति हमारे देश में ही है। अपितु यह विश्वव्यापी समस्या बनती जा रही है। कैलिफोर्निया के टॉरो विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों ने खुले में समय बिताना छोड दिया है। बाहर जाते हैं तब दुनिया भर के पाउडर, सनस्क्रीन और ना जाने किस किसका उपयोग करके निकलते है जिससे शरीर को जो प्राकृतिक स्वास्थ्यवर्द्धकता मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पाती है और यही कारण है कि आए दिन बीमारियां जकडती रहती है। यहां तक कि नई नई और गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने लगे हैं।

कोरोना ने हमें बहुत कुछ समझाने का प्रयास किया है। हमारी हैसियत और ताकत को भी कोरोना ने आईना दिखा दिया है। जर्नल सांइटिफिक रिपोर्टस में प्रकाशित रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकल कर आया है कि गंभीर कोविड की स्थिति में भी विटामिन डी की बदौलत जीवन बचाया जा सकता है। आयरलैंड के ट्रिनटी कालेज, स्काटलैंड के एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी और चीन के झेजियांग यूनिवर्सिटी की एक टीम ने विटामिन डी को जीवन रक्षक कारगर के रुप में माना गया है। दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों ने यह माना है कि विटामिन डी की पूर्ति होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और अन्य बीमारियां ही नहीं अपितु कोरोना जैसी महामारी से लड़ने में कारगर माना गया है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए अन्य कारगर उपायों के साथ ही दुनियाभर के चिकित्सकों ने एक राय से इम्यूनिटी बढ़ाने पर जोर दिया है। कोरोना के ईलाज और उसके बाद पोस्ट कोविड में चिकित्सकों ने जो दवाएं प्राथमिकता से लेने की सलाह दी है या जिन पर जोर दिया है उनमें विटामिन सी, विटामिन डी, जिंक और आयरन प्रमुख है। विटामिन, जिंक और आयरन की कमी को हम घर बैठे अपनी दिनचर्या और खान पान से पूरा कर सकते हैं। पर यह निराशाजनक स्थिति है कि हम मंहगी से मंहगी दवाएं खाने के लिए तैयार है पर अपनी दिनचर्या या खानपान में बदलाव लाने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि हमारी केमिकल्स और महंगी दवाओं पर निर्भरता अधिक बढ़ने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होने लगी है।

दरअसल हमें दवाओं, केमिकल्स पर निर्भरता को कम कर प्रकृति से रुबरु होना होगा। इसके लिए सरकारों के साथ ही स्वंयसेवी संस्थाओं, गैरसरकारी संगठनों को जागरुकता अभियान चलाना होगा। प्रकृति से रुबरु होकर ही हम इम्यूनिटी बूस्ट कर सकेंगे और सही मायनें में प्राकृतिक रुप से इम्यूनिटी बूस्ट करके ही हम बीमारियों से जूझने में सफल हो सकेंगे।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

पावटा में प्राचीन मंदिर के आस-पास नगर पालिका ने बनाया कचरा पॉइंट

पावटा, (निसं)। कस्बे में नदी में स्थित प्राचीन गोपाल भैया मंदिर के आसपास के क्षेत्र को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका ने कचरा पॉइंट बना रखा है। जहां हर रोज नगरपालिका की

- **रोजाना पालिका की गाड़ियां कस्बे का कचरा मंदिर के आसपास डालती हैं**
- **कस्बे के कचरे के साथ-साथ मरे हुए मवेशियों को भी यहीं डाला जाता है**
- **बदहाली का शिकार प्राचीन प्राचीन गोपाल भैया मंदिर**

गाड़ियां कस्बे का कचरा एकत्रित करके मंदिर के आसपास के क्षेत्र में डालती हैं। इससे प्राचीन गोपाल भैया मंदिर अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ रहा है। प्राचीन मंदिर की कोई सुध नहीं की जा रही है।

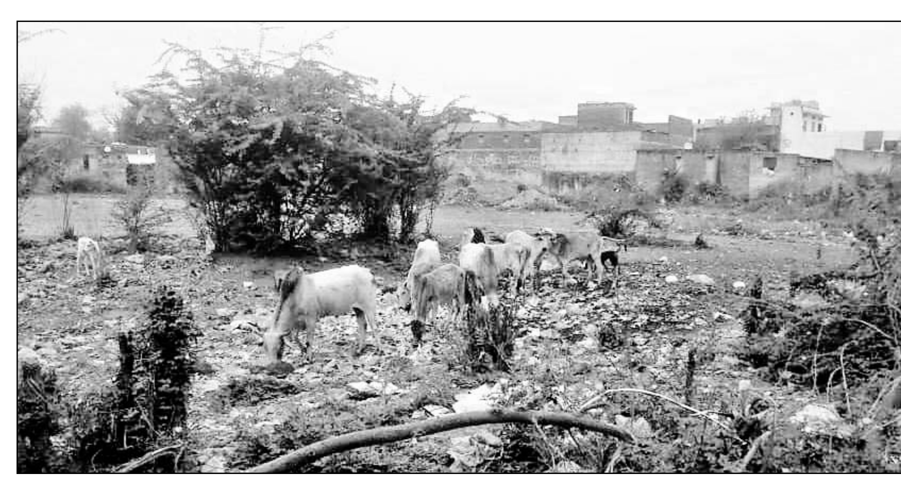

पालिका द्वारा डाले गये कचरे में मुँह मारते गौवंश।

मंदिर के आस पास नगरपालिका द्वारा कचरा प्वाइंट बनाकर कचरा फेंका जा रहा है। कस्बे के एकत्रित हुए कचरे के साथ-साथ मरे हुए मवेशियों को भी यहीं डाला जाता है। जिससे पूरे मंदिर परिसर में दुर्गंध बनी रहती है। इससे मंदिर में प्रवेश तो दूर की बात मुख्य गेट के बगल से गुजरना भी चुनौती बनी हुई है। एक तरफ मंदिर के आसपास में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए तो वहीं दूसरी ओर मंदिर में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर नगरपालिका ने भी चुप्पी साधी हुई है। वहीं पालिका द्वारा कचरा पॉइंट बनाने से श्रद्धालुओं की आस्था पर भी ठेस पहुंच रही है।

मंदिर महंत मोहनदास महाराज, केशवदास महाराज व गौ सेवकों ने बताया कि कचरे में सडे गले जानवर भी फेंके जाते हैं। वहीं गौवंश की दुर्दशा आम तस्वीर हो गई है। कभी भूख से मरती गाय तो कभी प्लास्टिक और कचरा खाती गाय जरूर दिख जाती है और तब याद आते है गोवंश को बचाने का दावा और वादे करने वाली सरकार। कथनी और करनी में बहुत सारा फरक तब साफ दिखाई पडता है जब अनाथ, बेसहारा घूमता गौवंश कचरे से गंदगी व पॉलिथीन खाने को मजबूर हैं। सुख-समृद्धि की प्रतीक रही भारतीय गाय आज कूडे के ढेर में कचरा और प्लास्टिक की थैलियां खाती है और फिर अपनी जान गवा देती है। लेकिन नगरपालिका ने मंदिर के आसपास कचरा डालना बंद नहीं किया है।

कई बार लिखित में नगरपालिका के अधिकारी व उपखंड अधिकारी को इस समस्या से अवगत करवा चुके हैं लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि जब तक समस्या का समाधान नहीं होता तब तक कचरा नहीं डालने दिया जायेगा। वहीं जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन देकर मंदिर, गौशाला व नदी बहाव क्षेत्र में कचरा डालने का विरोध किया जायेगा।

एस.आई. ने दिया दहेज प्रथा को बंद करने का संदेश

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस के एसआई के द्वारा अपने विवाह में दहेज नहीं लेकर एक मिसाल पेश की है। अनूपगढ़ के गांव 2 के(बी) में रहने वाले मुकेश मेघवाल ने अपने विवाह में केवल सवा रुपया और नारियल लेकर विवाह की सभी रस्में पूरी की।

- **एस.आई. ने सवा रुपए और नारियल लेकर शादी की रस्में पूरी की**

मुकेश मेघवाल के द्वारा अपने विवाह में दहेज नहीं लेने की शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। मुकेश का विवाह बीकानेर में रहने वाली शिल्पा के साथ संपन्न हुआ है। मुकेश मेघवाल का कहना है कि जब एक पिता अपनी बेटी की शादी कर देता है तो वह अपनी बेटी के साथ बेटी के पति को सब कुछ सौंप देता है, इसलिए उन्होंने अपने विवाह में दहेज नहीं लिया। मुकेश मेघवाल के द्वारा दहेज नहीं लेने पर पूरे समाज के लोगों ने मुकेश मेघवाल की प्रशंसा की।

मुकेश मेघवाल के पिता रामचंद्र ने बताया कि शिल्पा के पिता मजदूरी का कार्य करते है। विपरीत परिस्थितियों में शिल्पा की शिक्षा पूर्ण करवाई और आज शिल्पा बीकानेर में शिक्षा विभाग में एलडीसी के पद पर कार्यरत है। शिल्पा के पिता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि जब उन्होंने अपनी बेटी के विवाह में स्त्री धन और सवा लाख नगद रुपए देने चाहे तो इस पर मुकेश मेघवाल ने दहेज नहीं लेने के लिए मना कर दिया। मुकेश मेघवाल के इस निर्णय से उन्हें और उनके परिवार को काफी खुशी हुई और मुकेश मेघवाल को सवा रुपया और नारियल देकर शिल्पा को विदा किया गया।

मुकेश मेघवाल बताया कि वह बीकानेर पुलिस थाने में एसआई के पद पर कार्यरत है। राजस्थान पुलिस में उनकी जॉइनिंग 2021 में हुई थी। उनके पिता ने भी उन्हें विपरीत परिस्थिति में पढ़ाया था और आज उन्हीं की बदौलत वह इस मुकाम पर पहुंचे हैं। समाज में दहेज बहुत बड़ी कुरीति बन चुका है। इस कुरीति को खत्म करने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने अपने विवाह में दहेज नहीं लेकर एक नई परंपरा शुरू की है। मुकेश मेघवाल ने उम्मीद जताई है कि समाज के अविवाहित युवा भी बिना दहेज के अपना विवाह करेंगे।

बिजली की तकनीकी खराबी के कारण कई घरों में लगी आग

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम लोरड़ी में सोमवार को बिजली की तकनीकी खराबी के कारण यहां के कई घरों में आग लग गई, जिससे टीवी, फ्रिज सहित विद्युत उपकरण आदि जलकर राख हो गए।

घटना सोमवार को प्रातः 11 बजे की है। घटना से जुड़े तथ्यों के अनुसार आज कुछ देर के लिए विद्युत सप्लाई बंद थी। इसी दौरान किसान अपने खेतों में काम करने के लिए जाते वक्त विद्युत उपकरण बंद करके चले गए और करीब 11 बजे शुरू हुई विद्युत सप्लाई के साथ ही कई घरों में आग लग गई। शिवराज प्रजापत, दिनेश लोहार, अमरचंद शिवराज जाट सावत सिंह सहित कई घरों में लगी आग से सभी में भारी नुकसान हुआ है। शिवराज प्रजापत नामक व्यक्ति के घर में लगी आग ने तो इतना ताण्डव मचाया कि इस परिवार के लिए खाने के लिए 2 जून की रोटी का अनाज तक नहीं बच पाया। घटना की सूचना मिलने पर इस संबंध में विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता त्रिलोक सिंह चौहान से जानकारी करने पर कहना था कि संबंधित कनिष्ठ अभियंता को मौके पर भेजा गया है। वहां से रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

इस संबंध में संबंधित कनिष्ठ अभियंता अतुल जोशी से जानकारी करने पर उनका कहना था कि वे अभी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं एवं घटना के कारणों की जांच की जाने से पहले पीड़ित परिवारों की मांग पर पहले उनके मकानों में हुए नुकसान की जानकारी लेने की मांग पर अभी मकानों में आग लगने की घटना की जानकारी ले रहे हैं। घटना किस कारण से हुई इस संबंध में कनिष्ठ अभियंता अतुल जोशी से पूछे जाने पर उनका कहना था कि पीड़ित परिवारों की मांग पर उनके मकानों की जानकारी लेने के बाद की जाने वाली तकनीकी जांच के बाद ही कुछ पता चल पाएगा।

राशिफल

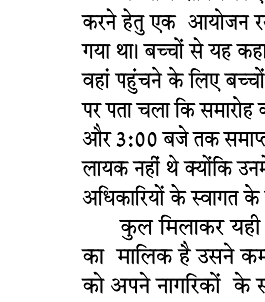

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 14 मार्च, 2023

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, अनुराधा नक्षत्र प्रातः 8:13 तक, वज्र योग दिन 3:13 तक, विष्टि करण प्रातः 8:55 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रातः 8:13 तक है। रवियोग प्रातः 8:16 तक है। भद्रा प्रातः 8:55 तक है। आज रांधा पुअआ है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:39 से 11:08 तक, लाभ-अमृत 11:08 से 2:05 तक, शुभ 3:33 से 5:02 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 6:31

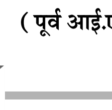

मेष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

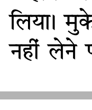

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

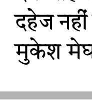

मिथुन

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

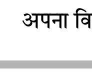

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

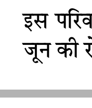

सिंह

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

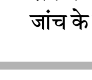

कन्या

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

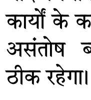

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

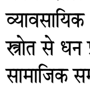

वृश्चिक

मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

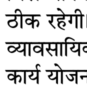

धनु

घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

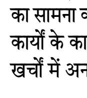

मकर

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

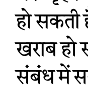

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

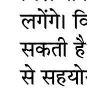

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

नोखा विधायक की गाड़ी से टक्कर में घायल नर्सिंग कर्मी की मौत

- नोखा विधायक राजमाता सुशीला कुमारी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पीबीएम अस्पताल के आगे से जूनागढ़ की तरफ जा रहे थे
- इसी वक्त हसन अस्पताल के मैन गेट से बाइक पर बाहर निकला और एमएलए की गाड़ी के आगे के हिस्से से टक्कर हो गई
- नर्सिंग कर्मचारी ट्रोमा सेंटर पर धरने पर बैठ गए, उन्होंने हसन के परिजनों को एक करोड़ रूपए का मुआवजा देने की मांग की

बीकानेर, (कासं)। नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई की गाड़ी से टकराने पर देर रात एक नर्सिंग कर्मी की मौत हो गई। बिश्नोई पूर्व राजामाता की अंतिम यात्रा में शामिल होने जूनागढ़ जा रहे थे तभी सुबह पीबीएम हॉस्पिटल के बाहर बाइक सवार हसन उनकी गाड़ी से टकरा गया। ट्रोमा सेंटर में कार्यरत हसन नाइट शिफ्ट खत्म करके घर जा रहा था। टक्कर इतनी तेज हुई की हसन की जांघ की हड्डी टूट हो गई।

बताया जा रहा है कि विधायक तत्काल अपनी गाड़ी में घायल को ट्रोमा सेंटर पहुंचाया। उसे पीबीएम हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती किया गया। बॉडी में फैक्चर के अलावा कई अंदरूनी चोटें थीं। इसके चलते दोपहर बाद हसन की तबीयत बिगड़ती गई। वेंटीलेटर पर लेना पड़ा। बाद में अस्पताल प्रशासन ने जयपुर रैफर कर दिया। रास्ते में रात 11 बजे हसन की हालत ज्याद बिगड़ने लगी तो चौमूं के पास ही एक प्राईवेट अस्पताल में ले जाया गया। यहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उधर हादसे के बाद विधायक ने अपनी गाड़ी सदर थाने में जमा करवा दी। पीबीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. पी. के. सैनी ने बताया कि नर्सिंगकर्मी हसन के माता-पिता की भी एक साल पहले ही मौत हो गई थी। विधायक राजमाता सुशीला कुमारी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पीबीएम अस्पताल के आगे से जूनागढ़ की तरफ जा रहे थे।

इसी वक्त हसन अस्पताल के मैन गेट से बाइक पर बाहर निकला और एमएलए की गाड़ी के आगे के हिस्से से टक्कर हो गई। हसन के घायल होने की सूचना मिलते ही अस्पताल के नर्सिंगकर्मी और सीनियर डॉक्टर्स पहुंच गए थे।

एक्सरे में तीन जगह फैक्चर का पता चल गया। तुरंत इलाज शुरू किया गया। बाद में एसपी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी और अस्पताल अधीक्षक डॉ. पी. के. सैनी आये। दोपहर बाद हसन को पीबीएम अस्पताल से जयपुर के लिए रैफर किया गया। एसपी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि हसन को अंदरूनी चोटें आई थीं। लंग्स में खून का थक्का बन गया था। इससे ब्लड सर्कुलेशन में दिक्कत शुरू हो गई। परिजनों के कहने पर उसे जयपुर के लिए रैफर किया गया। अस्पताल का स्टाफ भी साथ में भेजा गया। उधर नर्सिंग कर्मियों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि विधायक बिहारीलाल स्वयं एक बार भी अस्पताल नहीं आये। हालांकि उनके गनमैन व निजी सचिव इलाज के दौरान अस्पताल में मौजूद रहे। वहीं सोमवार सुबह नर्सिंग कर्मचारी ट्रोमा सेंटर पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने हसन के परिजनों को एक करोड़ रूपए का मुआवजा देने की मांग की। साथ ही विधायक से निजी तौर पर पचास लाख रूपए मुआवजे की मांग रखी गई है। सदर थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि इस मामले में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है। हसन के परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं लिखाई गई है। परिजन कल इलाज में व्यस्त रहे। विधायक की गाड़ी अब तक थाने में खड़ी है। रिपोर्ट मिलने पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

बंधी नहीं देने पर बदमाशों ने निजी बस के कांच तोड़े

- बंधी नहीं देने पर बस मालिक को गैंग के बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी

बीकानेर,(कासं)। जिले में हफ्ता वसूली गैंग के बदमाशों ने बंधी नहीं देने पर बस के कांच तोड़ दिए। इतना ही नहीं आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है।

पिछले तीन महीने से गैंग के बदमाश बस मालिक को धमका रहे हैं कि अगर उसकी गैंग को बंधी नहीं दी तो उसे जान से मार देंगे। बस मालिक ने आरोपियों के खिलाफ कोटगेट थाने में रिपोर्ट लिखवाई है। वल्लभ गार्डन निवासी श्रवण सिंह पुत्र रामसिंह राजपूत ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि उसकी बस बीकानेर से जयपुर के बीच चलती है। पिछले तीन महीने से खींव सिंह, सुरेंद्र सिंह, राजन बन्ना और जैकी बन्ना उसे और उसके स्टाफ को हफ्ता देने का दबाव बना रहे हैं।

10 मार्च को कार में बैठकर आये उक्त बदमाशों ने सादुल सिंह सर्किल के पास खड़ी बस के कांच तोड़ दिए। आरोपियों ने कंडेक्टर विजय सिंह के साथ थाप-मुक्कों से मारपीट भी की।

इस बीच चालक मंगतूराम ने भागकर अपनी जान बचाई। कोटगेट पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश करनी शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महीनों से शहर के अधिकांश हिस्सों में बदमाशों की गैंग सक्रिय है, जो हफ्ता वसूली और बंधी देने के लिए लोगों पर दबाव बना रहे हैं।

गैंगस्टर को फोलो करना पड़ा महंगा : नोखा में आपराधिक प्रवृति के लोगों का महिमा मंडन और फोलोवर बनने के प्रेरित करने वाले एक युवा को नोखा पुलिस ने देर रात को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपराधिक गैंग के ग्रुप को फोलो करने, उनके पोस्ट को शेयर करने साथ ही हथियार के साथ पोस्ट करने के मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। नोखा पुलिस ने कानपुरा बस्ती निवासी आदेश बिश्नोई को गिरफ्तार किया।

कार्यालय नगरपरिषद, श्रीगंगानगर

क्रमांक: 1237 दिनांक: 08.03.2023

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित एवं प्रकाशित किया जाता है प्रार्थीयान श्री रंजक जसूजा व श्री रिशभ जसूजा पिसरान श्री रविन्द्र मोहन जसूजा ने आवेदन पत्र, शपथ पत्र, व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर मकान संख्या 41 पी ब्लॉक श्रीगंगानगर साईज 30 गुणा 50 फीट अपने नाम से परिषद रिकार्ड में दर्ज कर नामान्तरण करवाने हेतु निवेदन किया हैं।

यह कि प्रशनगत मकान प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार मकान संख्या 41 पी ब्लॉक श्रीगंगानगर का आवंटन गुरदीप कौर पत्नी श्री अमरजीत सिंह के नाम से जारीशुदा है। आवंटन से आवेदक तक चैन पूर्ण एवं पंजीकृत है। श्री बनवारीलाल जसूजा पुत्र श्री बूटाराम द्वारा अपने जीवन काल में मकान संख्या 41 पी ब्लॉक श्रीगंगानगर साईज 30 गुणा 50 फीट की वसीयत श्री रंजक जसूजा व श्री रिशभ जसूजा पिसरान श्री रविन्द्र मोहन जसूजा के हक में कर दी। वसीयत पंजीकृत है। प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र अनुसार वसीयतकर्ता श्री बनवारीलाल जसूजा पुत्र श्री बूटाराम का देहांत दिनांक 24.06.2017 को हो चुका है। उपरोक्तानुसार नामांतरण चाहा गया है।

नामांतरण जारी करने से पूर्व यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति मय सबूत दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत कर देवे अन्यथा समयावधि बीत जाने के बाद नामांतरण जारी करने की कार्यवाही नगर परिषद द्वारा अमल में लाई जावेगी। इसके पश्चात् कोई उज्जर मान्य नहीं होगा।

आयुक्त, नगरपरिषद, श्रीगंगानगर

चयनित वेतनमान न लगाने पर रोष

बीकानेर,(कासं)। 2023 अखिल भारतीय सफाई श्रमिक कांग्रेस ने बीकानेर नगर निगम में वर्ष 2012-13 में नियुक्त सफाई कार्मिकों का 9, 18 वर्ष 27 वर्ष की सेवावधि पर 9 वर्षीय सेवा अवधि पूर्ण पर भी चयनित वेतनमान न लगाने पर संगठन ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए रोष व्यक्त किया है।

इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश राजस्थानी ने बताया कि निगम प्रशासन से निरंतर पत्राचार के बाद भी कार्यवाही वांछनीय है। राजस्थानी ने कहा जो कार्यवाही सामान्य प्रक्रिया के तहत स्वतः ही हो जानी चाहिए। पर आज तक सफाई कर्मियों का चयनित वेतनमान न लगने से सफाई कर्मी आक्रोशित है। निगम प्रशासन को गंभीरता से लेकर अविलम्ब वांछित कार्यवाही करनी चाहिए। मुकेश राजस्थानी ने कहा कि निगम सफाई कार्मिकों का 9 वर्षीय पूर्ण हो जाने पर चयनित वेतनमान आज तक स्वीकृत नहीं किया गया।

देवर-भाभी ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

- पुलिस ने प्रेम प्रसंग की आशंका जताई, दोनों रंगमहल गांव के रहने वाले थे

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते रिश्ते में देवर भाभी ने ट्रेन के आगे आकर सुसाइड कर लिया। घटना सूरतगढ़ हनुमानगढ़ रेलवे ट्रैक पर रंगमहल रेलवे स्टेशन के पास की है। वहीं मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने शव को सूरतगढ़ के राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाते हुए पोस्टमार्टम की कार्वाई की गई।

हनुमानगढ़ जीआरपी के थाना प्रभारी भगवान सिंह मीणा ने बताया रंगमहल गांव के नई बरेकां निवासी केसराराम (20) पुत्र पृथ्वीराज मेघवाल और उसकी रिश्ते में भाभी सुनीता (38) पत्नी मनसाराम मेघवाल में प्रेम प्रसंग होने की बात सामने आई है। जिसके चलते दोनों घर से बाइक पर सवार होकर निकल गए और सूरतगढ़-हनुमानगढ़ रेलवे ट्रैक पर गांव रंगमहल स्टेशन के समीप फाटक के पास जोधपुर-बठिंडा ट्रेन के आगे आकर आत्महत्या कर ली।

थाना प्रभारी भगवान सिंह ने बताया कि रंगमहल रेलवे स्टेशन अधीक्षक की सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे तथा दोनों के शवों को सूरतगढ़ के राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाते हुए परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर उन्हें सौंप दिए गए। कार्रवाई के दौरान रंगमहल के सरपंच विजय सिंह ताखर और पूर्व सरपंच आसकरण जालप समेत ग्रामीण मौके पर मौजूद थे।

कार-बाइक में भिड़ंत : अनूपगढ़, पंचायत समिति के गांव 6 पी और पतरोडा के बीच में देर शाम एक कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटनाग्रस्त हुई कार ड्राइवर ने राहगीरों की मदद से घायल व्यक्ति को अनूपगढ़ के राजकीय चिकित्सालय भिजवाया। जहां चिकित्सकों के द्वारा घायल का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया। सूचना मिलने पर अनूपगढ़ पुलिस थाने के एसआई अनूप सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

जैसे ही इसकी सूचना घायल व्यक्ति के परिजनों को मिली घायल के काफी संख्या में परिजन राजकीय चिकित्सालय पहुंचे। घायल व्यक्ति चेतन वधवा पुत्र ओमप्रकाश घड़साना के वार्ड नंबर 3 अमर कॉलोनी निवासी निवासी है।

शादी समारोह में खुशी से फायर करना महंगा पड़ा

- फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो पुलिस ने अपने स्तर पर ही दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है
- लाइसेंसी हथियार का उपयोग गलत तरीके से होने पर हथियार जब्त

बीकानेर,(कासं)। शादी समारोह में खुशी से फायर करना महंगा पड़ गया। फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो पुलिस ने अपने स्तर पर ही दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अब दोनों की गिरफ्तारी की जायेगी।

मामला लूणकरनसर के रोझा गांव का बताया जा रहा है। लूणकरनसर पुलिस के कांस्टेबल ने ही दो युवकों की पहचान करके अपने स्तर पर एफआईआर करवाई है। रोझा गांव में 11 मार्च को चक 11 सीएचडी में किसी समारोह के दौरान एक लाइसेंसी हथियार से दो फायर किये गए। एक मित्र से लाइसेंसी हथियार लेकर फायर करते हुए के फोटो और वीडियो बनाए गए। बाद में ये फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए। पुलिस के पास ये वीडियो पहुंच गया।

इस पर थाने के हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार ने एफआईआर दर्ज करवाई। जिसमें बजरंग पुत्र सुभाष निवासी रोझा और रामसिंह पुत्र भंवरलाल निवासी नोखा पर सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो वायरल करने और आम लोगों में भय व्याप्त करने का आरोप लगाया है। दोनों युवकों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। लाइसेंसी हथियार का उपयोग गलत तरीके से होने पर हथियार जब्त हो सकता है और आगे से लाइसेंस नहीं देने का निर्णय भी प्रशासन कर सकता है।

प्रपत्र– 'जी'

अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण

पीपीएग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कृषि उत्पाद के निर्माण में कोलायत इकाई, बीकानेर (राजस्थान) में परिचालन

भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए (1) के अधीन

प्रासंगिक विवरण

1.	**कॉर्पोरेट देनदार का नाम साथ में पैन/सीआईएन/एलएलपी नं.**	**पीपीएग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सीआईएन:U51224RJ2014PTC045480**
2.	पंजीकृत कार्यालय का पता	6–डी–55, जय नारायण व्यास कॉलोनी, बीकानेर – 334001
3.	वेबसाइट का यूआरएल	कुछ नही
4.	उस स्थान का विवरण जहां अधिकांश अचल संपत्तियां स्थित हैं	खसरा न. 742, कनासर बॉय पास रोड, उपनिवेशन तहसील कोलायत, बीकानेर–334001 (राजस्थान)
5.	मुख्य उत्पादों / सेवाओं की स्थापित क्षमता	सीडी का संचालन बंद है। अंतिम उपलब्ध अंकेक्षित वित्तीय विवरण वित्तीय वर्ष 2020–21 के हैं
6.	मुख्य उत्पादों की मात्रा और मूल्य / पिछले वित्तीय वर्ष में बेची गई सेवाएं	वित्तीय वर्ष 2020–21 के वित्तीय विवरण के अनुसार: मात्रा: निश्चित नहीं, मूल्य (रु.) करोड़ में: 7.30
7.	कर्मचारियों / कामगार की संख्या	कुछ नही
8.	दो वर्षो के अंतिम उपलब्ध वित्तीय विवरण (अनुसूची के साथ), लेनदारों की सूची, प्रक्रिया की बाद की घटनाओं के लिए प्रासंगिक तिथियां सहित अधिक विवरण यहां उपलब्ध हैं	ई–मेल आईडी: cirp.ppagro@gmail.com पर विशिष्ट अनुरोध करके ई–मेल के माध्यम से संभावित समाधान आवेदक द्वारा विवरण मांगा जा सकता है।
9.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के तहत समाधान आवेदकों के लिए पात्रता यहां उपलब्ध है	ई–मेल आईडी: cirp.ppagro@gmail.com पर विशिष्ट अनुरोध करके ई–मेल के माध्यम से संभावित समाधान आवेदक द्वारा विवरण मांगा जा सकता है।
10.	अभिरूचि की अभिव्यक्ति की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	03 अप्रैल 2023
11.	संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	08 अप्रैल 2023
12.	अंतरिम सूची के बारे में आपत्तियां प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	13 अप्रैल 2023
13.	ईओआई जमा करने के लिए संसाधित ईमेल आईडी	cirp.ppagro@gmail.com

हस्ता /–
कमल कुमार जैन
डीम्ड समाधान प्रोफेशनल, पीपीएग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
आईपी पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-001/IP-P00092/2017-18/10192
एएफए प्रमाणपत्र सं.: AA1/10192/02/131123/104782 वैध: 13.11.2023 तक
पता: 315–ए, रोड नं.2, शांति नगर, गोपालपुरा बयेपास, दुर्गापुरा, जयपुर, राजस्थान –302018

तिथि : 14.03.2023
स्थान : जयपुर

गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी का विरोध, महिलाओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

- महिलाओं ने 3 घंटे तक धरना लगाकर चूल्हे पर रोटी बनाकर खुद खाई और दूसरों को भी खिलाई

बीकानेर,(कासं)। अखिल भारतीय जनवादी महिला की समिति की ओर से सोमवार को गैस सिलेंडरों के दामों में बढ़ोतरी के विरोध में कलेक्ट्रेट समक्ष महिलाओं ने आक्रोश प्रदर्शन किया।

समिति की राज्य महासचिव डॉ सीमा जैन ने बताया कि आज बीकानेर जिला कमेटी ने 'लंच विद प्राइम मिनिस्टर' कार्यक्रम का आयोजन बीकानेर कलेक्ट्रेट पर किया गयो जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष रजिया ने की। जिला सचिव फरजाना ने बताया कि इस विरोध प्रदर्शन में विभिन्न कमेटियों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। राज्य महासचिव डॉ सीमा जैन बताया कि विरोध प्रदर्शन अनोखे तरीके से करते हुए खाली गैस सिलेंडर को फूल माला पहनाकर, चूल्हे की अगरबत्ती की गई और ईंटों का चूल्हा बनाकर गोबर की थेपडियों से रोटियां बनाकर नमक मिर्च की चटनी और रोटी का भोग प्रधानमंत्री की फोटो को लगाकर आरती उतारते हुए 'मोदी सरकार तुम शर्म करो.., मोदी सरकार तुम होश में आओ..', गैस सिलेंडरों की बढ़ी हुई कीमतें वापस लो के नारों से उतारी गई।

महंगाई को और ज्यादा तेज करने के लिए गैस सिलेंडरों के दामों में बढ़ोतरी का महिलाओं ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि उज्वला के नाम पर महिलाओं को बेवकूफ बनाया गया। अब लगातार दामों में बढ़ोतरी के साथ जनता का जीना बेहाल हो गया है। गरीब महिलाएं सिलेंडर भरवाने में असमर्थ है। महिलाओं ने 3 घंटे तक धरना लगाकर चूल्हे पर रोटी बनाकर खुद खाई और दूसरों को भी खिलाई। प्रदर्शन का नेतृत्व हसीना, शांति, उर्मिला, रमजानी, मोनिका, सुगरा, मुन्नी, खातून, विमला, लक्ष्मी पाल, बिस्मिल्लाह आदि ने किया।

डॉ राधिका 50 मुख्य लेखकों में शामिल

बीकानेर,(कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. राधिका को नई दिल्ली की संस्था क्रिटिकस्पेस जर्नल की टीम और जूरी द्वारा भारत के 50 मुख्य लेखकों में शामिल किया गया है। इस उपलब्धि पर संस्था द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि फार्माकोलॉजी पॉड कास्ट निर्माण व पुस्तक लेखन में योगदान के लिए के लिए डॉ. राधिका को फॉक्स स्टोरी इंडिया द्वारा वर्ष 2023 की महिला चेहरे के रूप में चुना गया।

जनसुनवाई 16 को

श्रीगंगानगर,(कासं)। आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान हेतु जिला स्तर पर जनसुनवाई की बैठक का आयोजन 16 मार्च को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट श्रीगंगानगर के वीडियो कांफ्रेंस कक्ष में रखा गया है। बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर करेंगे। जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र एवं सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी।

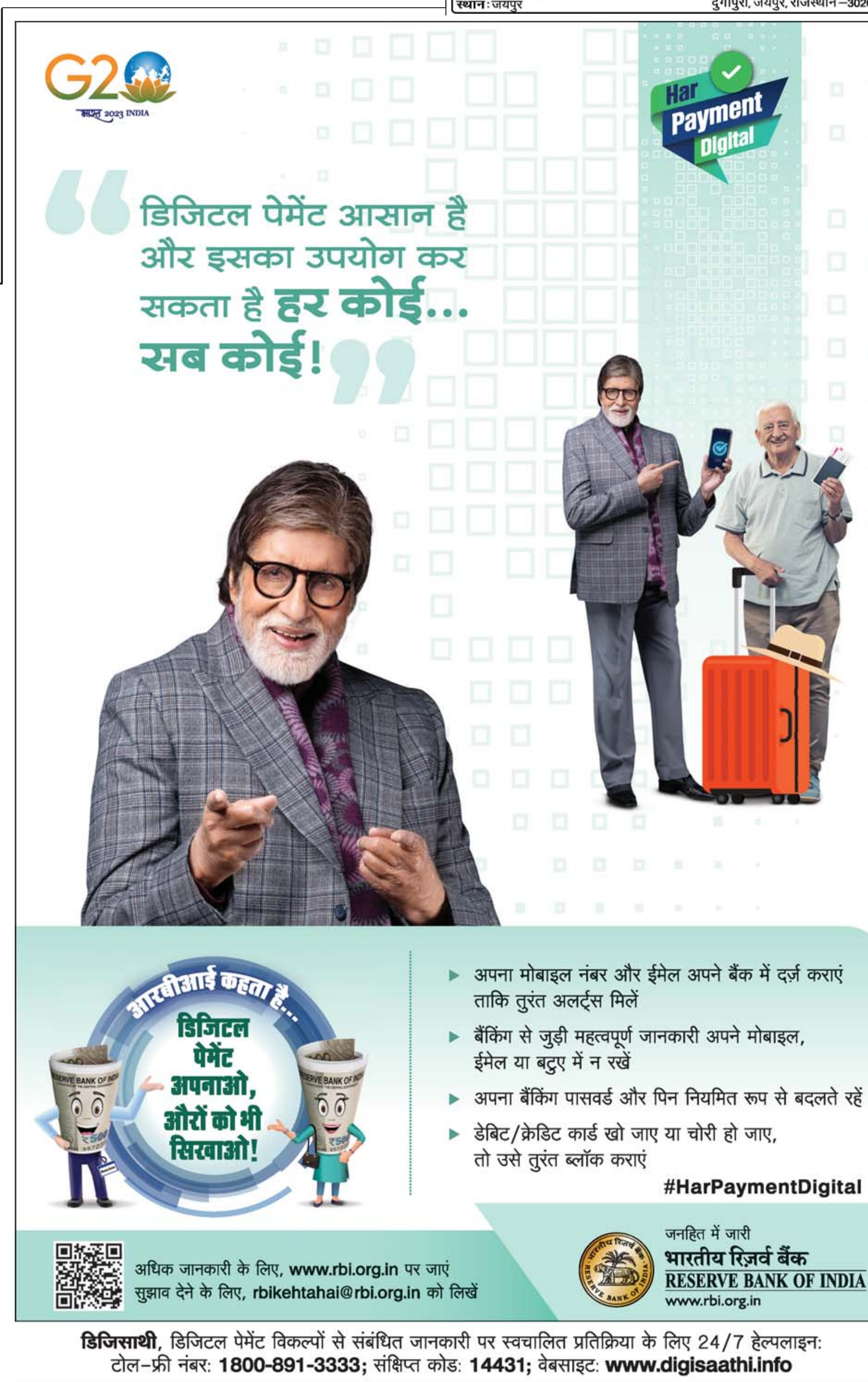

अरबों रुपयों की जमीन को हड़पने में भूमाफियाओं को प्रशासन का सहयोग है?

100 बीघा जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन ने पहले तो जे.सी.बी. भेजी, बाद में एस.डी.एम. ने कार्रवाई को रोका

तारानगर, (निसं)। तारानगर के वार्ड नं. 29 में पड़ी सैंकड़ों बीघा सरकारी जमीन को लेकर मामला गर्म है। लोगों का कहना है कि भूमाफियाओं ने नगर पालिका व तहसील के कर्मचारी व अधिकारीयों से सांठगाठ कर कूटरचित दस्तवेज तैयार कर वार्ड नं. 29 की सरकारी जमीन पर अपना मालिकाना हक जताते हुए सैंकड़ों हरे पेड़ो को नष्ट कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार भू-माफियाओं ने दो जेसीबी मशीन लगाकर पिछले पांच दिनों से सरकारी भूमी खसरा नं. 933/306, 934/306 पर वन विभाग द्वारा लगाये गये बड़े-बड़े हरे पेड़ों को काटकर समतलीकरण किया जा रहा था। जब उनसे पूछा गया तो बताया गया कि उक्त भूमी सरकारी नहीं होकर रामपूरा बेरी के पूरणाराम ब्राहमण की है जो अपनी जमीन का समतलीकरण करवा रहा है, जबकि आम जनता का कहना है कि उक्त भूमी सरकारी है जबसे खातेदारी का अधिकार मिला है तब से सन् 2012 तक टिब्बा धोरा के नाम से सरकारी जमीन राजस्व रिकार्ड में दर्ज थी सन् 2012 से लेकर आज तक सिवाय चक नगर पालिका तारानगर के नाम से सरकारी पत्रावली में दर्ज है व नगर पालिका तारानगर ही मालिक है, उक्त भूमि में से कुछ भूमी हरीजन समाज के मोक्षभूमि के लिये आवंटित हुई।

कुछ भूमि पर नये भवन भी बने हुए है व कुछ भूमि एक निजी आई टी आई कॉलेज को भी सरकार ने आवंटित की है। उक्त भूमि में से हीं से बहुत से लोगों को नगर पालिका ने पट्टा बना कर दिया तो वहीं सरकार ने वहां पर जलदाय विभाग के लिये टंकी के लिये जमीन उपलब्ध करवाई तो वहीं कई तरह के सरकारी प्रोजेक्ट की पत्रावलीयां भी चल रही है। उक्त जेसीबी मशीन द्वारा काटे जा रहे हरे पेड़ो को देखकर आम जनता ने इसका विरोध किया और उपखण्ड अधिकारी सहित जिला कलेक्टर को शिकायत दर्ज करवाई तो मौके पर पहूंचे उपखण्ड अधिकारी सुभाष भड़िया ने उक्त जेसीबी का काम रूकवाया तो वहीं मौके पर उक्त जमीन पूरणाराम ब्राहमण के नाम से लगा बोर्ड भी जब्त करवाया। वहीं प्रशासन ने मौके से जेसीबी सहित अतिक्रमियों को खदेड़ दिया। लोगों में इस बात का गुस्सा है कि उक्त सैंकड़ों बीघा कीमती सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं ने अपना मालिकाना हक कैसे जताया। इसी बात को लेकर वार्ड नं. 29 में सर्वसमाज के लोगो ने बैठक बुलाकर एक संघर्ष समिति बनाई और तहसील कार्यालय के आगे धरना शुरू कर आला अधिकारियों के नाम से एक ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी को तहसील कार्यालय के आगे सौंपा।

उपखण्ड अधिकारी सुभाष भड़िया को धरना स्थल पर तारानगर वासियों ने ज्ञापन दिया।

- **तारानगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी अरूण स्वामी ने इस मामले के संबंध में बताया कि मामले की जांच करवाई जा रही है। आरोप सही नहीं है।**
- **लोगों का कहना है कि पालिका व तहसील के अधिकारियों व कर्मचारियों से सांठगांठ कर भूमाफिया ने हरे पेड़ों को नष्ट किया है**

इस तरह से भूमाफियाओं ने रची साजिश:- भूमाफियाओं ने खाली पड़ी सरकारी जमीन पर पूरणाराम के नाम से तारानगर सिविल न्यायालय में एक वाद अपने ही व्यक्तियों सहित नगर पालिका के खिलाफ दायर कर स्टे ऑर्डर प्राप्त कर उक्त सरकारी भूमि पर जेसीबी मशीन से हरे पेड़ काटकर समतलीकरण का कार्य प्रारम्भ कर दिया। भूमाफियाओं ने उक्त भूमि पर अपना हक व अधिकार जताने के लिये एक कूटरचित वसीयत का भी तहसील कार्यालय में पंजियन करवा लिया। उक्त समस्त प्रकरण में सामने आया कि जब पूरणमल ब्राहमण ग्राम रामपूरा बेरी जब एक माह का था तब उसके दादा बद्री प्रसाद पुत्र मगनाराम को तारानगर के गणेशमल व चौथराम पुत्रगण बीजाराम माली ने तारानगर उस समय की रिणी बुलाकर अपनी 1200 बीघा जमीन में से 200 बीघा जमीन एक महिने के बच्चे जिसका नाम पूरणमल ब्राहमण के नाम 9 सितम्बर 1951 को वसीयत कर दी, जबकि उक्त जमीन बीजाराम माली को रिणी निजामत के हवलदार द्वारा सम्वत 1902 मिती आषाढ सुदी 2 बख्शीस में मिली हुई थी।

अब पूरणमल ब्राहमण को याद आया कि मेरी एक जमीन तारानगर में है जिस पर अपना हक व अधिकार जमाने की कोशिश की गई। जब लोगों ने इस तरह के बख्सीसनामा के बारे जानने का प्रयास किया तो बताया कि इस तरह के राजा महाराजा के समय कोई रिकार्ड संधारित नहीं किया जाता है। लोगों का कहना कि उक्त बख्शीस नामा फर्जी व कूटरचित है।

तहसील कार्यालय के आगे हुए धरना प्रदर्शन में लोगों का कहना है कि उक्त जमीन के मामले में कई अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधि भी इसमें शामिल है जिस वजह से इतनी पूरानी वसीयत का तहसील कार्यालय में शीघ्रता से पंजियन होना, नगर पालिका द्वारा पूरणाराम की जमीन को स्वीकार करना इस ओर दर्शाता है कि इस अरबों रूपये की कीमती जमीन को हड़पने में नगर पालिका, तहसील कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों सहित कई जनप्रतिनिधियों का सहयोग है व कई जगह बन्दरबाट हुई है। लोगों ने वसीयत व बख्शीसनामे को फर्जी होना भी बताया।

धरना प्रदर्शन के समय एडवोकेट निर्मल प्रजापत, एडवोकेट जितेन्द्र सिंह, राकेश जांगिड़, महावीर पूनियां, उमराव सिंह, भगवती प्रसाद शर्मा, पार्षद शिवकुमार सहित सैंकड़ो की संख्या में लोग धरने पर उपस्थित थे।

तारानगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी अरूण स्वामी ने इस मामले के संबंध में बताया कि मामले की जांच करवाई जा रही है। आरोप सही नहीं है। नगर पालिका के कर्मचारी अपनी ड्यूटी कर रहे है। उक्त भूमि नगर पालिका तारानगर की भूमि है। जिसका संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

कार अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकराई, दो यात्रियों की मौत, तीन घायल

बांदनवाड़ा में हुए हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बांदनवाड़ा, (निसं)। कस्बे से होकर गुजरते नेशनल हाइवे की पुलिया के बीचो-बीच सोमवार दोपहर नसीराबाद से भीलवाड़ा की ओर जा रही एक कार अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई। वहीं 3 घायल हो गये। जहां जमा भीड़ की मदद से खासी मशक्कत कर शव तथा घायलों को बाहर निकाला गया। भीषण टक्कर से कार का अगला हिस्सा बूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया जहां मौके पर पहुंचे अन्य युवकों की सहायता से घायलों तथा मृतकों को खासी मशक्कत कर कार से बाहर निकलवाया।

मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से यातायात सुचारू करवाया। चौकी प्रभारी गिरधरसिंह ने बताया कि चौकी प्रभारी गिरधरसिंह ने बताया कि पांच दोस्त कार में सवार होकर खाटूश्याम के दर्शन कर अपने गांव जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 बांदनवाड़ा पुलिया पर तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पीछे घुस गई जिससे कार में सवार रमेश (24) पुत्र शंकर गाडरी निवासी कानाखेड़ा (भोपालसागर चित्तौड़) व जमनेश (35) पुत्र मदन कलाल निवासी पोहुना (राशमी चित्तौड़) की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य दिनेश, हीरालाल व किशनलाल कीर घायल हो गए। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए तथा घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। भिनाय थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जाँच शुरु कर दी है।

डोडा-चूरा से भरी कार व पिस्टल जब्त

उदयपुर, (निसं)। जिले के खैरोदा थाना पुलिस ने अवैध डोडा-चूरा से भरी कार को नाकाबंदी तोड़ लेकर भाग रहे तस्करों को रोकने पर तस्करों द्वारा फायरिंग करने पर पुलिस द्वारा भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। इस दौरान पकड़े जाने के भय से बदमाश कार छोड़ भागे। पुलिस ने कार से अवैध डोडा-चूरा व एक पिस्टल बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला, पुलिस उप अधीक्षक रविन्द्र प्रतापसिंह के सुपरविजन में खैरोदा थानाधिकारी पवनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने रविवार रात में भटेवर वासुदेव होटल के सामने पहुंच कर राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान मंगलवाड की तरफ से आरही कार का चालक पुलिस को देख कार मोड कर गलत दिशा की तरफ लेकर भागा।

इसको देख पुलिस दल ने पिछा कर रोकने का प्रयास किया। लेकिन चालक द्वारा कार भगा ले जाने पर फायिंरग की। इस पर पुलिस दल ने जवाबी फायरिंग की तो तस्कर अंधेरे में मारवेल होटल के पास मेनार माल में रोड़ पर लावारिस हालत में कार छोड़ कर फरार हो गए। इस पर पुलिस दल ने मौके पर पहुंच कर तलाशी ली तो कार में रखे 19 कट्टों में करीब 395 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा पाया गया तथा एक पिस्टल मिली। पुलिस ने कार व डोडा चूरा तथा पिस्टल जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच कानोड़ थानाधिकारी मनीष कुमार खोईवाल को सौंपी।

50 लाख रुपये की पंजाब निर्मित अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

मनोहरपुर, (निसं)। मनोहरपुर थाना पुलिस ने सोमवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर दिल्ली-जयपुर के नवलपुरा मोड पर अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब निर्मित अवैध शराब की एक बड़ी खेप जब्त की है। पुलिस ने शराब परिवहन में प्रयुक्त ट्रक को जब्त कर उससे अवैध शराब के 450 कार्टन बरामद किए हैं। शराब परिवहन के आरोप में दो जनों को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की बाजार कीमत 50 लाख रुपए बताई जा रही है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार ने बताया कि पुलिस को सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर दिल्ली से जयपुर की ओर आने वाली सडक पर कोटपूतली की तरफ से एक ट्रक आ रहा है। जिसमें अवैध पंजाब निर्मित शराब भरी होने की सम्भावना है। सूचना के बाद में थानाधिकारी मनीष शर्मा, एएसआई बलवान, रमेश चंद, दिलीप कुमार सहित कुल 11 सदस्यीय टीम ने दिल्ली से जयपुर जाने वाली रोड पर नवलपुरा मोड पर दिल्ली की तरफ से आने वाले सभी वाहनों की जांच की। इसी दौरान सूचना के अनुसार बताए ट्रक की जांच कि तो पुलिस भी चकरा गई। ट्रक में सफेद कली के कट्टे भरे हुए थे। मुखबिर की पुख्ता सूचना होने से पुलिस ने ट्रक कि गहनता से तलाशी ली।

पुलिस ने मामला दर्ज करके सारला थाना बाखासर जिला बाडमेर निवासी हेमाराम (23) पुत्र रेखाराम जाट व राम उर्फ रामाराम (33) पुत्र भीखाराम जाट को गिरफ्तार किया है।

बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। कल्याणपुर थाना पुलिस ने मोबाईल व नकदी लूट के मामले में फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार पीड़ित राहुल पुत्र जितेन्द्र निवासी बरना कल्याणपुर ने 5 मार्च 2023 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गत सांय मेरे साथ बरना सोमनदी पुल पर लूट की वारदात हुई। इस दौरान लुटेरे मेरा मोबाईल व 12 हजार रूपये नकदी लूट ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर सोम नदी पुलिया पर लूट की वारदात का खुलासा करते हुए इस मामले में फरार पांच हजार के इनामी बदमाश लोकेश पुत्र अमृतलाल निवासी करनुवा खेरवड़ा को गिरफ्तार किया।

17 टन एल.पी.जी. से भरा टैंकर पलटा

- **वाल्व खुलने से हुआ लीकेज, बिजली और मोबाइल फोन बंद करवाये, ड्राइवर भागा**

सूरतगढ़, (निसं)। एलपीजी गैस से भरा एक टैंकर सोमवार सुबह पलट गया। हादसे में वॉल्व खुलने से गैस रिसाव होने लगा। मौके से गुजर रहे लोगों की सूचना पर तुरंत बिजली और मोबाइल फोन बंद करवाए गए। पुलिस और दमकल की 4 गाड़ियों ने मौके पर आकर हालात को संभाला। हादसा श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ का है। सिटी थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि हादसा हनुमानगढ़ फोरलेन बाइपास पर सैनी गार्डन के पास हुआ। गुजरात पोर्ट से पंजाब के बठिंडा गैस प्लांट में एलपीजी से भरा एक टैंकर सूरतगढ़ होकर जा रहा था। इस दौरान सैनी गार्डन के पास मोड पर टैंकर बैलेंस बिगड़ने पर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। टैंकर का वाल्व लीक होने के कारण गैस का रिसाव शुरू हो गया। ड्राइवर चरण सिंह ने अपने स्तर पर कपड़ा लगाकर रिसाव को रोकने की कोशिश की। मगर रिसाव होने पर वह भाग गया। हादसे के बाद बाइपास पर जाम लग गया। पुलिस ने वाहनों को डायवर्ट कर निकाला। सूरतगढ़ समेत थर्मल की 4 दमकल गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया। ट्रक मालिक पंजाब निवासी जगदीप सिंह पुत्र साधू सिंह को भी हादसे की सूचना दी गई है।

गैस लीकेज रोकने के लिए बठिंडा प्लांट से टेक्निकल टीम पहुंची। टेक्निकल टीम ने सुरक्षा उपायों के साथ गैस टैंकर की लीक हो रही एलपीजी को रोकने के प्रयास शुरू किए। टेक्निकल टीम के मुताबिक इस घटना का अच्छा पहलू यह रहा कि ट्रक चालक ने फरार होने से पहले कपड़े से लीकेज हो रही एलपीजी को रोकने का प्रयास किया था। जिसका नतीजा यह रहा कि सुराख के स्थान पर कपड़ा फंस गया और उसके इर्द-गिर्द गैस जम गई। अन्यथा 17 टन के करीब टैंकर में भरी गैस के परिणाम कुछ भी हो सकते थे।

दूसरी ओर पूरी तरह गैस रोकने के हरसंभव उपाय करने के बावजूद भी सफलता नहीं मिलने पर आखिरकार सदियों से चले आ रहे देसी उपाय 'लकड़ी की गुल्ली' बनवाकर चूने, कपड़े और गुड़ के मिश्रण के साथ लीकेज सुराख में ठोकनी पड़ी। तब कहीं जाकर पूरी तरह गैस की लीकेज रुक पाई। मौके पर पहुंचे पंजाब निवासी टैंकर मालिक ने तीन हाइड्रा क्रेनों को हायर करते हुए सावधानीपूर्वक टैंकर को सीधा करवाया। इसके बाद एहतियात के साथ टैंकर को सड़क के एक किनारे जैक की सहायता से सही स्थिति में खड़ा किया गया। तब कहीं जाकर फोरलेन सड़क मार्ग के एक तरफ का यातायात बहाल हो सका। फिलहाल सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक की गई इस कार्रवाई में कुछ राहत मिलने पर मौके से तीन दमकलों को हटवा दिया गया। वहीं टैंकर के रवाना नहीं होने तक एक फायर टेंडर को स्टैंडबाई मोड पर रखा गया है।

मांडलगढ़ के अभयपुरा गांव में खदान से सटी वन भूमि के ऊँचे पहाड़ में किया जा रहा सोपस्टोन का अवैध खनन

खनन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होने से श्रमिकों की जान को खतरा

मांडलगढ़, (निसं)। अभयपुरा में सोपस्टोन की खदान से सटी वन भूमि के ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों में अवैध खनन किए जाने का मामला सामने आया है।इस दौरान खदान में हेवी ब्लास्टिंग करने से पत्थर उछल कर लोगों के घरों में आ जाते हैं, वहीं अंधाधुंध अवैध खनन से हरे वृक्षों को उखाड़ा गया है। जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है।

मांडलगढ़-जहाजपुर सीमा पर स्थित अभयपुरा गाँव के पास:- मैसर्स कुलदीप सिंह जुनेजा की सोपस्टोन की माइंस एमएल नंबर 85/82 वर्ष 1982-83 से संचालित है। खदान से सटे ऊँचे पहाड़ की वन भूमि में धड़ल्ले से अवैध खनन किया जा रहा हैं। इस मामले में ग्रामीणों ने बताया कि भीलवाड़ा के खनिज विभाग और वन विभाग को कई बार शिकायत की गई। लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि खदान में सुरक्षा मानकों के नियम कायदे ताक में रख कर खनन किया जा रहा हैं। खदान संचालक द्वारा हेवी विस्फोटक सामग्री से ब्लास्टिंग की जाती हैं। जिससे पत्थर उछल कर घरों में आ गिरते है। वहीं भारी भरकम फोकलेन मशीनों से हरे वृक्षों को उखाड़ कर फैंक दिया गया है। खदान में कार्यरत श्रमिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा किट नहीं दिए जाते है। और न ही श्रमिकों की उपस्थिति पंजिका रखी जाती हैं। खनन के दौरान कोई भी हादसा होने पर खान संचालक जिम्मेदारी से भागते हैं।

- **वहीं हेवी ब्लास्टिंग करने से पत्थर उछल कर लोगों के घरों में आ जाते हैं**

ग्रामीणों ने खान सुरक्षा निदेशालय, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली, को भी शिकायत कर अवगत कराया हैं। सॉपस्टोन खदान के कारण पर्यावरण व वन क्षेत्र को होने वाले नुकसान के साथ भूस्खलन की संभावनाएं, पेयजल स्त्रोत सूखने, मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, खनन के दौरान मशीनों से उड़ने वाली धूल के नुकसान को लेकर एनजीटी भी गंभीर नहीं है।

इस मामले में खनिज विभाग और वन विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेने का प्रयास किया। लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया।

उधर खदान संचालक ने बताया कि खदान की निर्धारित सीमा में ही नियमानुसार खनन कार्य किया जा रहा हैं। ग्रामीणों को कोई परेशानी है तो समाधान किया जाएगा।

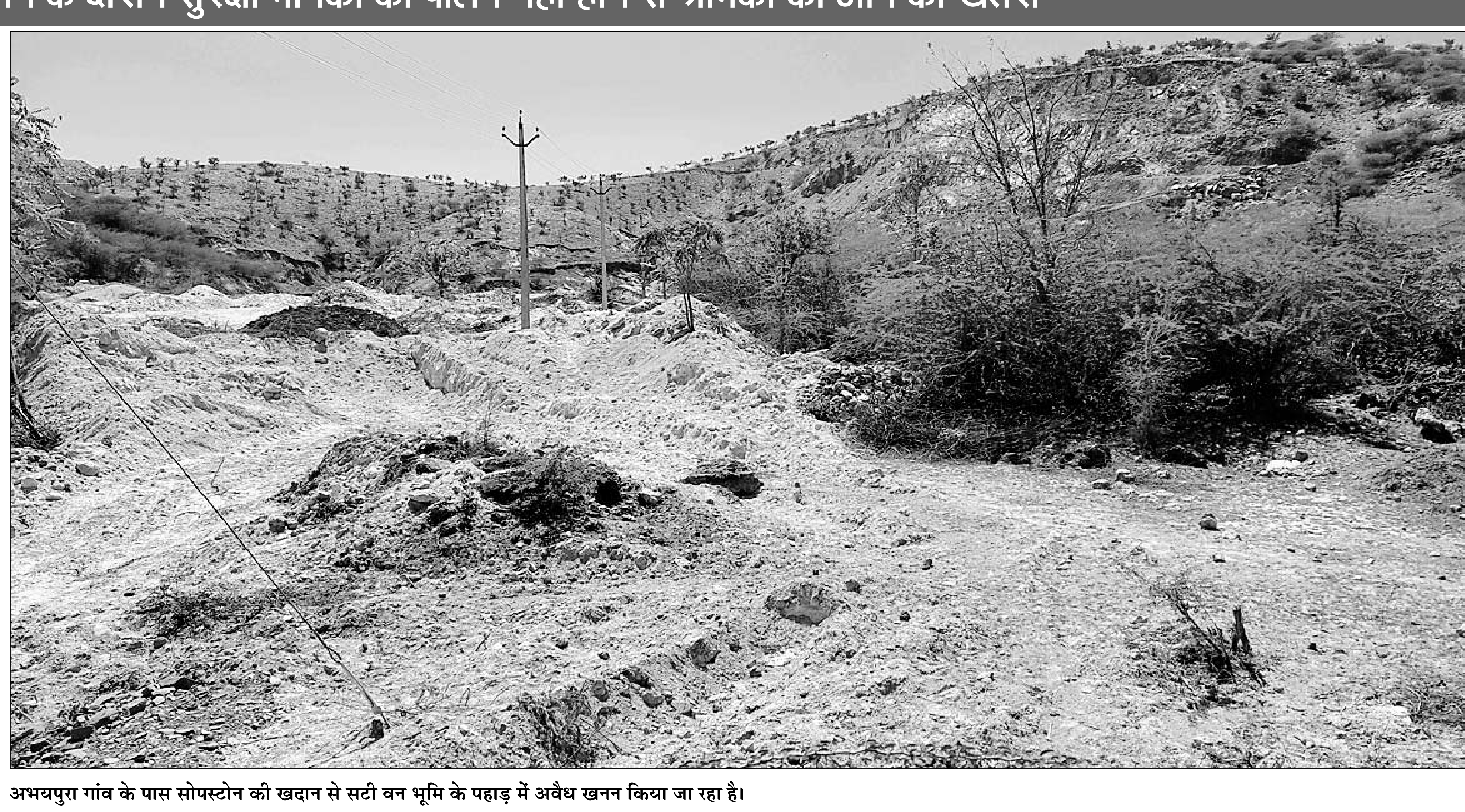

अभयपुरा गांव के पास सोपस्टोन की खदान से सटी वन भूमि के पहाड़ में अवैध खनन किया जा रहा है।

कांग्रेस-भाजपा ने मिलकर बारी-बारी से राजस्थान को लूटा है : केजरीवाल

'राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस की लूट बंद करने के लिए आप सरकार की जरूरत'

जयपुर (का.सं.)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ आज जयपुर में तिरंगा यात्रा निकाली।

केजरीवाल ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से अब तक कांग्रेस ने 48 साल और भाजपा ने 18 साल राजस्थान में शासन किया, फिर भी किसान-मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। वर्ष 1993 से भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर बारी-बारी से राजस्थान को लूटा है। ये एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं, लेकिन आज तक किसी को जेल नहीं भेजा, क्योंकि इनकी आपस में सेटिंग है।

उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के अंदर लड़ाई चल रही है। ये जनता के लिए नहीं बल्कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं वहीं मनीष सिसोदिया ने दिल्ली के सरकारी स्कूल ठीक कर दिए तो इनको बर्दाश्त नहीं हुआ और उनको जेल भेज दिया गया, क्योंकि ये स्कूल नहीं बना सकते। राजस्थान में भी दिल्ली जैसे शानदार स्कूल-अस्पताल बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए 'आप'' की ईमानदार सरकार लानी होगी।

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को जयपुर में सांगानेरी गेट से अजमेरी गेट तक तिरंगा यात्रा निकाली जिसमें भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस और भाजपा वाले ये नहीं कह सकते हैं कि राजस्थान की जनता ने हमें मौका नहीं दिया। 48 साल बहुत होते हैं और 18 साल भी बहुत होते हैं। इसके बावजूद हम देख सकते हैं कि राजस्थान का क्या हाल है। राजस्थान में बहुत गरीब है। किसान-मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। किसानों को अपनी फसल के दाम नहीं मिल रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई है और पेपर लीक हो रहे हैं। पूरे राजस्थान का बहुत बुरा हाल है। शहीदों की वीरांगनाएं जब अपना हक मांगने जाती हैं, तो बेइज्जत करके वापस भेज दिया जाता है।

केजरीवाल ने वर्ष 1993 से लेकर आज तक राजस्थान में एक बार भाजपा और एक बार कांग्रेस की सरकार बनती आई है। लोगों ने बारी-बारी कांग्रेस और भाजपा को मौका दिया और बारी-बारी दोनों ने राजस्थान को लूटा। जब भाजपा की सरकार आती है तो कांग्रेस वाले उन पर घोटाला करने का अरोप लगाते हैं। जनता सोचती है कि कांग्रेस को मौका दो, ये इनको जेल भेजेंगे। लेकिन कोई जेल में नहीं जाता है। आज तक भाजपा वालों ने एक भी कांग्रेसी को जेल नहीं भेजा और कांग्रेस वालों ने भी एक भी भाजपा वाले को जेल नहीं भेजा। दोनों में बड़ी अच्छी सेटिंग है। लेकिन हमारी इनसे सेटिंग नहीं है, हमारी सेटिंग जनता से है। हमारा जनता के साथ रिश्ता है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमने स्कूल-अस्पताल बनवाए। बिजली फ्री कर दी। घर-घर पानी पहुंचा दिया। सड़कें बनवाई। ये सारे काम अब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने शुरू कर दिया है। पंजाब में अब स्कूल-अस्पताल ठीक होने लगे हैं और 500 मोहल्ला क्लीनिक भी बन गए हैं। दवाइयां व टेस्ट फ्री है। पंजाब में बिजली भी फ्री कर दी है। पंजाब में 'आप' की सरकार ने एक साल में 27 हजार सरकारी नौकरिया दे दी। साथ ही, कच्चे कर्मचारियों को पक्का कर दिए। ये सारे अच्छे काम राजस्थान में भी हो सकता है, लेकिन इसके लिए बड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। एक-एक घर जाकर वोट मांगनी पड़ेगी।

केजरीवाल ने राजस्थान की जनता से अपील करते हुए कहा इस बार आम आदमी पार्टी की ईमानदार सरकार लेकर आइए। हमें राजनीति करनी नहीं आती है, हमें स्कूल बनवाने आते हैं। इस अवसर पर मान ने कहा कि राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस ने बारी-बारी से राजस्थान को लूटा। अभी तक जनता के पास कोई विकल्प नहीं था, लेकिन अब आप पार्टी के रुप में विकल्प मौजूद है। सोलह मार्च को पंजाब में "आप" की सरकार को एक साल पूरे हो जाएंगे।

'पूर्व विधायक की पत्नी ने सड़क पर अतिक्रमण किया'

हाईकोर्ट ने प्रहलाद गुंजल की पत्नी के कब्जे को नियमित करने के फैसले को गलत मानते हुए रद्द कर दिया

- **कोर्ट ने रोड की चौड़ाई कम कर जमीन आवंटित करने और उसका नियमितिकरण करने के यूआईटी कोटा के फैसले को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है**
- **अदालत ने कहा कि मास्टर प्लान के अनुसार सड़क की चौड़ाई बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए राज्य सरकार तीन माह में उचित कार्रवाई कर सड़क की चौड़ाई को मास्टर प्लान के अनुसार करे**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल की पत्नी जय कंवर के अतिक्रमण को नियमित करने के लिए सडक की चौडाई घटने पर आश्चर्य जताया है। अदालत ने कहा कि अतिक्रमण को नियमित करने के लिए सड़क की चौडाई को कम कैसे किया जा सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि यूआईटी, कोटा ने सड़क की चौड़ाई कम करने का निर्णय लिया और राज्य सरकार ने उसे स्वीकार भी कर लिया। इसके साथ ही अदालत ने रोड की चौडाई कम कर जमीन आवंटित करने और उसका नियमितिकरण करने के यूआईटी कोटा के फैसले को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि मास्टर प्लान के अनुसार सड़क की चौडाई बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए राज्य सरकार तीन माह में उचित कार्रवाई कर सड़क की चौड़ाई को मास्टर प्लान के अनुसार करे। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने यह आदेश अनिल सुवालिका की जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान यूआईटी, कोटा की ओर से अपने जवाब में कहा कि प्रहलाद मीणा पन्द्रह हजार वर्ग फीट जमीन का खातेदार है और आठ हजार वर्ग फीट सरकारी जमीन भी उसके कब्जे में थी, ने प्रहलाद गुंजल की पत्नी जय कंवर को यह जमीन बेचने के लिए 28 अप्रैल 2013 में एग्रीमेंट किया था। एसटी वर्ग का होने के चलते प्रहलाद मीणा को अधिकार नहीं था कि वह गैर एसटी वर्ग की महिला के पक्ष में अपने खातेदारी अधिकारों का हस्तांतरण करे। ऐसे में काश्तकारी अधिनियम की धारा 42 के तहत यह एग्रीमेंट अवैध था। जिसे रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने मास्टर प्लान के तहत सडक की तय चौडाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए किए गए आवंटन को अवैध माना है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने बताया कि मास्टर प्लान में कोटा के जीएडी सर्किल से शिवपुरा रोड 160 फीट और केशवपुरा रोड सौ फीट चौडी निर्धारित की गई है। दोनों सड़कों के बीच प्रहलाद गुंजल की पत्नी के नाम मकान है। तत्कालीन विधायक गुंजल के प्रभाव में आकर यूआईटी और राज्य स्तरीय लैंड यूज कमेटी ने शिवपुरा रोड को सौ फीट और

भाजपा का संगठन मजबूत, हमारे प्रदेश अध्यक्ष भी निष्क्रिय : हरीश चंद्र मीणा

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक हरीश चंद्र मीना को भाजपा मजबूत पार्टी लगती है और उन्होंने बाकायदा अपने विधानसभा क्षेत्र में हुए एक कार्यक्रम के दौरान अपने कार्यकर्ताओं के बीच कहा कि बीजेपी ज्यादा मजबूत पार्टी है। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा और कांग्रेस के संगठन की तुलना करते हुए अपनी ही पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को निष्क्रिय बताते हुए कहा कि हमारा प्रदेशाध्यक्ष बीते 2 ढाई साल से निष्क्रिय है। हमारे पास पूर्णकालिक प्रदेशाध्यक्ष नहीं है, यह अस्थाई व्यवस्था है। मीना ने मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि ढाई साल से टोंक में भी जिलाध्यक्ष नियुक्त नहीं किया गया। इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होली मिलन समारोह में विधायक हरीशचंद्र मीना ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी को हर स्तर पर मजबूत है। मीणा ने कहा कि हमारी विरोधी पार्टी का हर स्तर पर कार्यकर्ता और संगठन पदाधिकारी है, बीजेपी का कार्यकर्ता गांव से लेकर बूथ, तहसील, जिला लेवल पर है। उसके मुकाबले हमारा संगठन कहां है। कार्यकर्ता के सामने तो कार्यकर्ता ही लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे से पूछा गया, लेकिन मैंने कहा मैं मेरे विधानसभा क्षेत्र के बारे में बात कर सकता हूं। सारे राजस्थान की बात मेरे बस की नहीं है।

उल्लेखनीय है कि हरीश चंद्र मीणा का ताजा बयान इसलिए चर्चा में माना जा रहा है और लोग कह रहे हैं कि भाजपा के संगठन की बढ़ाई करके क्या एक बार फिर मीणा का ध्यान उस ओर जाने का है।

रंधावा ने पूरे देश को अपमानित किया : सतीश पूनियां

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बयान देकर देश की शहादत का अपमान किया है, प्रधानमंत्री की पद की गरिमा को अपमानित किया है, पूरे देश को अपमानित किया है।

रंधावा का बयान इनकी कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के विचारों से मेल खाता है, जिस तरह वह विदेशों में जाकर देश की छवि को बदनाम करने की कोशिश करते हैं।

अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा : रंधावा

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के बयान से विवाद पैदा हो गया है और भाजपा ने उनके भाषण को लेकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी से माफीनामा मांग लिया है। दरअसल प्रदेश कांग्रेस के राजभवन घेराव कार्यक्रम के दौरान हुई सभा में राजस्थान प्रभारी रंधावा ने कहा कि सभी नेताओं से कहता हूं कि अपनी लड़ाई खत्म करें। मोदी-बीजेपी को खत्म करने की बात करिए। अगर मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा। अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा। मोदी देशभक्ति की बात करते हैं। उन्हें पता ही नहीं कि देशभक्ति होती क्या है? इसी बयान को लेकर भाजपा नेताओं ने रंधावा और सोनिया तथा राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है।

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने अपने भाषण में पुलवामा हमले को लेकर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि हमारा गांव पाकिस्तान से महज 5 किलोमीटर दूरी पर है। हम कभी पाकिस्तान से नहीं डरते और मोदी कहते हैं कि हम उनको घुस कर मारेंगे। रंधावा ने कहा कि अरे भाई वह पुलवामा कैसे हो गया, उसकी इंक्वायरी करवाओ, आज तक जवानों का पता नहीं चला कि वह कैसे शहीद हो गए। कहीं इलेक्शन जीतने के लिए तो ऐसा नहीं कर दिया। ऐसा कहकर रंधावा ने सीधे तौर पर पुलवामा आतंकी हमले पर ही सवाल उठा दिए हैं।

रंधावा ने कहा कि हमारी लड़ाई अडानी अंबानी से नहीं हमारी लड़ाई बीजेपी से है, अगर बीजेपी मर गई तो जुएं स्वयं ही मर जाएंगे। रंधावा ने कहा कि भैंस को मार दिया जाए तो जुएं तो खुद ही मर जाती हैं, ठीक इसी तरह अगर बीजेपी को मार दो, अडानी इनके साथ ही मर जाएगा। उन्होंने कहा कि सब अडानी की बात कर रहे है। जबकि सबको मोदी-मोदी करना चाहिए। यह मोदी देश का बेड़ा गर्क कर रहा है। बीजेपी शासित केंद्र सरकार देश को बेच रही है।

कुहनेमन और मर्फी ने बेजोड़ प्रदर्शन किया : स्मिथ

अहमदाबाद, 13 मार्च। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत दौरे में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले स्पिनर टॉड मर्फी और मैथ्यू कुहनेमन ने भारतीय उपमहाद्वीप के अपने पहले दौरे में शानदार प्रदर्शन किया। अनुभवी नाथन लियोन 22 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे लेकिन ऑफ स्पिनर मर्फी (चार टेस्ट में से 14 विकेट) और कुहनेमन (तीन टेस्ट में नौ विकेट) ने भी कई स्टार बल्लेबाजों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। स्मिथ ने श्रृंखला समाप्त होने के बाद कहा, "सभी खिलाड़ियों ने पिछले कुछ सप्ताह में अच्छा प्रदर्शन किया। कुहनेमन और मर्फी ने भारत में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, यह कई बार काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है और जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया वह शानदार था।'' उन्होंने ट्रैविस हेड की भी सराहना की जो नियमित सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के कोहनी में फ्रैक्चर के कारण स्वदेश लौटने के कारण पारी का आगाज करने के लिए उतरे। स्मिथ ने कहा,"इतने कम समय में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाना हेड के लिए वास्तव में सकारात्मक रहा। इसके अलावा ग्रीनी (कैमरन ग्रीन) ने जिस तरह से वापसी की, वह भी शानदार रहा।'' स्मिथ ने इसके साथ ही कहा कि श्रृंखला बेहतर माहौल में खेली गई।

कीनिया ओपन में 65वें स्थान पर रहे मनु गंडास

रोबी, 13 मार्च। भारत के मनु गंडास मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ प्रतियोगिता के अंतिम दौर में एक ओवर 73 का ही स्कोर बना पाए और इस तरह से संयुक्त 65वें स्थान पर रहे। गंडास ने चौथे और अंतिम दौर में तीन बर्डी बनाई, लेकिन इस बीच उन्होंने चार बोगी भी की। उनका कुल स्कोर एक अंडर 283 रहा। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा कट में जगह नहीं बना पाए थे। स्पेन के जॉर्ज कैंपिलो ने दो स्ट्रोक की बढ़त से अपना तीसरा डीपी विश्व टूर खिताब जीता।

चिक्कारंगप्पा छठे स्थान पर रहे, ऑर्म्सबी ने जीता खिताब

हुआ हिन, 13 मार्च। तीसरे दौर के बाद चार खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल करने वाले भारतीय गोल्फर एस चिक्कारंगप्पा अंतिम दौर में डबल बोगी से शुरुआत करने के बाद उससे उबर नहीं पाए और अंतरराष्ट्रीय सीरीज थाईलैंड में संयुक्त छठे स्थान पर रहे। चिक्कारंगप्पा ने अंतिम दौर में दो अंडर 70 का स्कोर किया और कुल 17 अंडर के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे।

भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती, चौथा टेस्ट ड्रॉ

अहमदाबाद, 13 मार्च। ट्राविस हेड (90) और मार्नस लाबुशेन (63 नाबाद) के जुझारू अर्द्धशतकों के कारण चौथा टेस्ट सोमवार को ड्रॉ होने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज 2-1 से जीत ली। ऑस्ट्रेलिया पांचवें दिन की शुरुआत में 88 रन से पिछड़ा हुआ था। मैथ्यू कुह्नेमन (06) का विकेट जल्दी गिरने के बाद हेड और लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिये करीब 49 ओवर में 129 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज हेड ने 163 गेंद पर 10 चौकों और दो छक्कों के साथ 90 रन बनाये, जबकि लाबुशेन ने अपने धैर्य का परिचय देते हुए 213 गेंद में मात्र सात चौके लगाकर 63 रन की नाबाद पारी खेली।

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 78 ओवर गुज़रने के बाद भी सिर्फ दो विकेट गिरने पर कप्तान रोहित शर्मा और स्टीव स्मिथ हाथ मिलाकर मैच को ड्रॉ करने पर सहमत हुए। भारत ने इस सीरीज जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भी जगह बना ली है। इंग्लैंड के ओवल मैदान पर जून में होने वाले फाइनल में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से ही होगा। ऑस्ट्रेलिया ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की बेजान पिच पर दिन की शुरुआत कुह्नेमन का विकेट गंवाकर की, हालांकि इसके बाद हेड और लाबुशेन पिच पर जम गये। भारत को दिन की पहली सफलता दिलाते हुए रविचंद्रन अश्विन ने कुह्नेमन को छह रन पर पगबाधा किया।

अश्विन ने इसके बाद भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशान किया लेकिन दूसरे छोर से साथ न मिलने के कारण वह कंगारुओं पर दबाव नहीं बना सके। पहला सत्र समाप्त होने से पहले हेड अश्विन की गेंद पर पगबाधा होने से बच गये क्योंकि अंपायर का फैसला उनके हित में गया। हेड ने इस जीवनदान का पूरा लाभ उठाते हुए लाबुशेन के साथ लंच के बाद शतकीय साझेदारी कर डाली।

हेड भारतीय सरजमीन पर अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ रहे थे, जब अक्षर पटेल ने उन्हें 90 रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में अक्षर पटेल का 50वां विकेट था। वह सबसे कम गेंदों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं।

हेड का विकेट गिरने के बाद भारत को स्टीव स्मिथ के विश्व-स्तरीय डिफेंस का सामना करना पड़ा। दूसरा सत्र समाप्त होने से पहले अश्विन की गेंद स्मिथ के बल्ले को छूती हुई निकली लेकिन विकेटकीपर श्रीकर भरत उसे लपकने में नाकाम रहे। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दूसरे सत्र के समापन तक क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दो विकेट से मात दे दी थी, जिसके कारण रोहित की टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच गयी। स्मिथ (59 गेंद, 10 रन) और लाबुशेन ने आपस में 19 ओवर तक बल्लेबाजी की, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने हाथ मिलाकर मैच को समाप्त किया।

विराट कोहली को उनकी 186 रन की शानदार पारी के लिये प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अश्विन (25 विकेट, 86 रन) और रवींद्र जडेजा (22 विकेट, 135 रन) अपने चौतरफा प्रदर्शन के कारण प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के संयुक्त विजेता रहे। इस ड्रॉ के साथ भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। यह भारत की ऑस्ट्रेलिया पर लगातार चौथी टेस्ट सीरीज जीत है। कुल मिलाकर, भारत ने 16 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखलाओं में से 10 जीती हैं। यह अपने घर में भारत की लगातार 16वीं टेस्ट सीरीज जीत भी है।

भारत ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनायी

अहमदाबाद, 13 मार्च। भारतीय टीम ने एक बार फिर नया इतिहास रचते हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। यह लगातार दूसरा मौका है जब टीम इंडिया ने यह मुकाम हासिल किया है। क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया है, जिसके बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गया है। इसके साथ ही भारत ने 07 जून, 2023 से द ओवल में शुरू होने जा रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भारत ने खराब शुरुआत की। जिससे उसकी डब्ल्यूटीसी में न पहुंचने की संभावना 57 प्रतिशत तक पहुंच गया, लेकिन अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में खराब ओवर गति के लिए कोई पेनल्टी अंक नहीं है। डब्ल्यूटीसी की प्वाइंट्स टेबल पर एक नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया के 148 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 68.52 है। अंक तालिका के हिसाब से भारत इस वक्त दूसरे नंबर पर चल रहा है। भारत के पास 123 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 60.29 है। तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम है, जिसके पास 64 अंक हैं और उसका जीत प्रतिशत 48.48 का है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआती तीन मैचों में भारत की 2-1 से बढ़त रोहित शर्मा की टीम के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

ऐसी जगह नहीं हूं कि क्रीज पर उतरकर किसी को गलत सबित करूं : विराट कोहली

मैं अब उस जगह पर नहीं हूं जहां मैं मैदान पर उतरूं और किसी को गलत साबित करूं। मुझे इसे भी सही ठहराने की जरूरत है कि मैं मैदान पर क्यों हूं

अहमदाबाद, 13 मार्च। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां 186 रन की धैर्यपूर्ण पारी के साथ टेस्ट क्रिकेट में शतक के सूखे को खत्म करने वाले भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को कहा कि वह उस जगह पर नहीं है कि मैदान पर जाकर किसी को गलत साबित करें।

कोहली को अपने 28वें टेस्ट शतक के लिए तीन साल से अधिक समय का इंतजार करना पड़ा। यहां चौथे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में उनके शतक की मदद से भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 480 रन के जवाब में 571 रन का स्कोर खड़ा किया।

मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद कोहली ने कहा, "एक खिलाड़ी के रूप में मेरी स्वयं से जो अपेक्षाएं हैं वे मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 75 शतक जड़ चुके कोहली ने कहा, "मैं अब उस जगह पर नहीं हूं जहां मैं मैदान पर उतरूं और किसी को गलत साबित करूं। मुझे इसे भी सही ठहराने की जरूरत है कि मैं मैदान पर क्यों हूं।''

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में मैं पिछले कुछ समय में उस लय के साथ नहीं खेल पा रहा था जिसके साथ मैं पिछले 10 वर्षों से खेल रहा हूं। इसलिए मैं यही एक चीज करने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा जैसे कि मैं नागपुर में पहली पारी से काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं।''

कोहली ने स्वीकार किया कि वह टेस्ट प्रारूप में स्वयं को दोहरा नहीं पा रहे थे इसलिए उन्हें अधिक मेहनत करनी पड़ी। कोहली ने 186 की अपनी पारी में 364 गेंद का सामना किया और बाउंड्री से केवल 60 रन बनाए।

यह एक सोची समझी रणनीति थी क्योंकि श्रेयस अय्यर के पीठ की चोट के कारण बाहर होने के बाद भारत के पास एक बल्लेबाज कम था। कोहली ने कहा, "हमने श्रेयस को चोट के कारण खो दिया और एक बल्लेबाज कम था इसलिए हमने अधिक समय लेने का फैसला किया। हमारी नजरें लंबे समय तक बल्लेबाजी करने पर टिकी थी।''

उन्होंने कहा, "हम टीम के लिए जितना संभव हो उतने लंबे समय तक बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मैंने कुछ समय के लिए ऐसा किया लेकिन उस क्षमता के साथ नहीं जैसे मैं अतीत में करता रहा हूं।''

कोहली ने कहा, "उस नजरिए से मैं निराश था लेकिन विश्वास था कि मैं अच्छा खेल रहा हूं और अगर मुझे एक अच्छे विकेट पर मौका मिला तो मैं एक बड़ा स्कोर बना सकता हूं।'' रूक आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी बने, गार्डनर सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

ऊंटनी के दूध आदि उत्पादों की मार्केट मांग को बढ़ाना होगा : डॉ. आर्तबन्धु साहू

■ एन.आर.सी.सी. में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का शुभारंभ

एन.आर.सी.सी. में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एनआरसीसी) द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बीकानेर के सहयोग से आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आज केन्द्र-सभागार में शुभारंभ किया।

इस अवसर पर वैज्ञानिक वार्ता एवं वैज्ञानिक प्रदर्शनी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर, राजुवास तथा अन्य कॉलेजों के विज्ञान संकाय से जुड़े लगभग 50 से अधिक विद्यार्थियों, अध्यापकों, वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं आदि ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश ने कहा कि विज्ञान का जीवन में विशेष महत्व है। क्योंकि यह विषय वस्तु को अंधविश्वास आदि से परे रखते हुए उसे प्रमाणिकता प्रदान कराता है। उन्होंने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में हमारे देश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके फलस्वरूप आज से लगभग 92 वर्ष पूर्व हमारे देश के सर सी.वी.रमन को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

साथ ही वैज्ञानिक सोच विकसित करना, हमारे देश के संविधान के मौलिक कर्तव्यों के रूप में भी उल्लेखित है। उन्होंने जीवन में विज्ञान के महत्व एवं उपलब्धियों के साथ विकसित तकनीकी के दूरगामी परिणामों आदि पहलुओं पर भी बात कही। उन्होंने एन.आर.सी.सी. को उष्ट्र प्रजाति संबद्ध देश का उत्कृष्ट संस्थान के रूप में इसकी अनुसंधान उपलब्धियों एवं संस्थान की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उष्ट्र पालन व्यवसाय को लोकप्रिय, सरल एवं लाभप्रद बनाने के लिए ऊंटनी के दूध आदि उत्पादों की मार्केट मांग को बढ़ाना होगा। इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.आर्तबन्धु साहू ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विज्ञान के साथ हमारे जीवन की प्रत्येक प्रक्रिया जुड़ी हुई है।

डॉ.साहू ने कहा कि परिवर्तित परिदृष्य में इस धरती पर जीवन यापन के दौरान अनेक प्रकार की समस्याएं एवं चुनौतियां सामने आ रही हैं परंतु मानव जीवन की श्रेष्ठता को आधार मानते हुए यहां विचरण करने वाले सभी जीव-जंतुओं आदि को साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि हमें विज्ञान एवं विकास के तहत प्रकृति प्रदत्त संसाधनों के दोहन को रोकने के बारे में विचार करना चाहिए। विज्ञान दिवस मनाए जाने के अवसर को डॉ. सी.वी.रमन की वैज्ञानिक उपलब्धियों से जोड़ते हुए उन्होंने सभी विषयों में विशेष ज्ञान रूपी विषय विज्ञान के विद्यमान (समाहित) होने की बात कही।

समारोह में अतिथि के रूप में डॉ. जी.पी. सिंह, प्राचार्य, राजकीय डूंगर महाविद्यालय बीकानेर ने कहा कि महान वैज्ञानिक डॉ. सी.वी.रमन द्वारा विकसित 'रमन प्रभाव' के कारण विश्व पटल पर भारत का नाम उभरकर सामने आया। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग, पश्चिमी राजस्थान में मानव सभ्यता के विकास में ऊंट की उपयोगिता एवं इसके द्वारा आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना आदि के संबंध में अपने विचार रखें।

निदेशक डॉ. साहू ने ऊंटनी के दूध के चिकित्सीय गुण तथा डॉ. राकेश रंजन, प्रधान वैज्ञानिक ने 'दवा और निदानिकी के स्रोत के रूप में ऊँट' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए इस प्रजाति की वैज्ञानिक उपादेयता को विद्याार्थियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. वेद प्रकाश, ने विज्ञान दिवस समारोह मनाने के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

मोबाइल लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। मोबाइल लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया।

तीनों बाइक पर शहर में निकलते और राह चलते लोगों को लूट का शिकार बनाते थे। वे उनसे मोबाइल छीनकर ले जाते थे। पुलिस ने इस संबंध में दो दिन पहले दर्ज मोबाइल लूट के एक मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर नौ मोबाइल बरामद किये गए हैं।

इस संबंध में हनुमानगढ़ जिले के गांव दो एमजैडडब्लयू मिर्जावाली निवासी विकास कुमार पुत्र बालचंद ने दो दिन पहले मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में कहा था कि वह अभी श्रीगंगानगर की पुरानी आबादी में रह रहा है। दस मार्च को वह अपने घर पर था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर तीन युवक आये और उसका मोबाइल छीनकर ले गए।

इस पर मामला दर्ज कर जांच एएसआई प्रमोद कुमार को दी गई। पुलिस ने मामले में जांच करते हुए ऐसे युवकों पर नजर रखी जो मोबाइल चोरी की वारदातों से जुड़े हों। मुखबिरों से जानकारी जुटाई। जांच में तीन युवकों पर शक हुआ। इस पर पुरानी आबादी के कर्ण लावा (22) पुत्र अशोक कुमार, रोहित (20) पुत्र सूर्यप्रकाश और सुनील (24) पुत्र जसकरण को गिरफ्तार किया। मोबाइल बरामद होने पर उनसे पूछताछ की गई।

सार-समाचार

बहादुर पुलिस कर्मियों का सम्मान

कल्याण फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने आगजनी में सैकड़ों जिंदगी बचाने वाले पुलिस कर्मियों का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। सामाजिक सरोकारों की अग्रणी संस्था कल्याण फांडेशन ऑफ इंडिया ने आज बीकानेर के बहादुर पुलिस कर्मियों का सम्मान किया। जिन्होंने अपनी जान पर खेलकर आगजनी से सैकड़ों जिंदगियों को बचाया। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना के एसआई राधेश्याम, हैड कांस्टेबल अशोक कुमार, हैड कांस्टेबल रोहिताश भारी का शाल, माला, श्रीफल, और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। स्वागत उद्‌बोधन देते हुए कल्याण फाउंडेशन ऑफ इंडिया की निदेशक कामिनी विमल भोजक मैया ने अपनी रचना से पुलिस कर्मियों का सम्मान करते हुए कहा कि 'वतन पर जान लुटा डालू, यही जज्बात लाया हूं.. कलेजा मौत से लड़ने का दो दो हाथ लाया.. हुमेरे चिथड़े भी उड़ जाए तो कोई गम नहीं करना की गठरी बांध देना मैं तिरंगा साथ लाया हूं.. इन पंक्तियों को सुनकर उपस्थित लोगों ने जोरदार करतल ध्वनि से पुलिस कर्मियों की हौसला अफजाई की। वरिष्ठ समाजसेवी सत्यदेव शर्मा और श्रीलाल सेवग ने कहा कि सीमा पर वतन की रक्षा करना जितना महत्वपूर्ण है। उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है पुलिस कर्मी के रूप में आमजन की सुरक्षा करना, उनकी जान बचाना। समाजसेवी आर.के. शर्मा और पुरषोत्तम सेवग ने कहा कि जिस तरह रोहिताश भारी और उनके साथियों ने पहले अयप्पा मंदिर और फिर होलिका दहन वाले दिन खाओ सा रेस्टोरेंट की भीषण आग में अपनी जान की बाजी लगाकर लोगों की जिंदगी बचाई वो एक मिशाल है। अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए जितेन्द्र भोजक ने कहा कि वीरों का आभूषण होता है तिरंगा और उसकी हिफाजत करने के लिए वे अपनी जान भी लगा देते हैं। इस अवसर पर ओमप्रकाश पुरोहित, के.पी.एस.पिल्लई, आनंद नैयर, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन मौजूद थे।

नाहटा परिवार का अभिनंदन

नव्वाणु यात्रा के लाभार्थी भीखमचंद-पूनमचंद नाहटा का साध्वी चंदन बाला ने अभिनंदन किया।

बीकानेर, (कासं)। रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में सोमवार को जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ की साध्वी चन्द्रप्रभा की शिष्या सा, चंदनबाला आदि ठाणा ने आगम के मंत्रों का उच्चारण करते हुए तथा भक्ति गीतों के मुखड़े सुनाते हुए नव्वाणु यात्रा शुभ मुहूर्त सुश्रावक भीखमचंद-पूनमचंद नाहटा परिवार को प्रदान किया। खरतरगच्छ सहस्त्राब्दी वर्ष पर आचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर म.सा. के सानिध्य में पालीतणा के शत्रुंज्य तीर्थ पर विमल नाथ गिरि की नव्वाणु यात्रा का आयोजन आगामी माह में होगा। साध्वीश्री ने शिवबाड़ी के प्राचीन पार्श्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद होने वाले प्रतिष्ठा समारोह में समर्पण भाव से सक्रिय भागीदारी का आव्हान किया। पूर्व में नव्वाणु यात्रा के मुख्य लाभार्थी भीखमचंद-पूनमचंद नाहटा परिवार गोलछा-नाहटा मोहल्ले से गाजे- बाजे के साथ भगवान आदिनाथ के मंदिर में दर्शन वंदन करते हुए रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे पहुंचे। उपासरे में साध्वीवृंद ने मंगल भावना व्यक्त करते हुए मुहूर्त पट्ट्ट प्रदान किया। श्री सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट के मंत्री रतन लाल नाहटा, उपाध्यक्ष निर्मल पारख, भीखमचंद बरड़िया, पवन बोथरा, हस्तीमल सेठी, सूरत के पवन पारख व विचक्षण महिला मंडल की मूला बाई दुगड़ ने लाभार्थी परिवार का साफा, श्रीफल आदि से सम्मान किया। इस अवसर पर रायपुर के कमल चंद लोढ़ा का भी अभिनंदन किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय में महिला सप्ताह के अंतर्गत सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं में जिला स्तरीय एकल गायन एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. पूनम सेतिया, डॉ. बबीता काजल व डॉ. रेखा भारद्वाज के निर्देशन में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. पूनम सेतिया द्वारा मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रतियोगिता में सेठ बिहारीलाल राजकीय महाविद्यालय अनूपगढ़, राजकीय महाविद्यालय, सूरतगढ़, महिला महाविद्यालय सादुलशहर, डीएवी कॉलेज, खालसा कॉलेज, और राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर की टीमों ने भाग लिया। एकल गायन में गोदारा कॉलेज की शहनाज ने प्रथम, डी.ए.वी कॉलेज की कु. विजय लक्ष्मी ने द्वितीय, एवं सादुलशहर की ममता मीणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विभागों को जल्द की जायेगी जमीन आवंटित : रियार

हनुमानगढ़ कलेक्टर रूक्मणि रियार सियाग ने बिजली, पानी समेत फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

हनुमानगढ़,(कासं)। जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बिजली, पानी मौसमी बीमारियों समेत विभिन्न विभागों एवं फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। बजट घोषणाओं को लागू करने के क्रम में रूक्मणि रियार ने वेद विद्यालय, संस्कृत महाविद्यालय, डिजिटल लाइब्रेरी, नोहर में आईटीआई, इंदिरा गांधी वर्किंग वूमेन हॉस्टल, विवेकानंद यूथ हॉस्टल, टिब्बी में औद्योगिक एरिया, नोहर भादरा में लव कुश वाटिका, जिला मुख्यालय पर बनने वाले वेयर हाउस एवं कृषि विज्ञान केन्द्र को जमीन आवंटन पर जल्द ही कार्यवाही के निर्देश दिए। सीएम एक्सेल्स अवार्ड विनिंग प्रोग्राम पर जिले के विभागों को किए गए नवाचारों को भेजने के निर्देश दिए।

रूक्मणि रियार ने चिरंजीवी योजना में पंजीकरण बढ़ाने पर जोर देते हुए इन्हें शत- प्रतिशत करने के निर्देश दिए तथा लगातार इस संबंध में बीसीएमएचओ के साथ बैठक करने और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश देने के निर्देश दिए। नगर परिषद को वार्डों को पॉलिथीन मुक्त करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार एवं कपड़े से बनी थैलियां वितरित करने तथा दुकानदारों को इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। पीएमएफबीवाई में पॉलिसियों का शीघ्रता से निस्तारण हो, शराब की दुकानें रात 8 बजे के बाद ना खुले इसकी लगातार मॉनिटरिंग करने तथा राजीविका के तहत बनाए गए खिलौनो को भामाशाहों के माध्यम से विक्रय कर प्रोत्साहित किया जाए। इस अवसर पर जिला कलेक्टर श्रीमती रुक्मणि रियार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा देवठिया, एडिशनल एसपी जस्साराम बोस, सीईओ अशोक असीजा, सीएमएचओ ओपी चाहर, डीईओ हंसराज जाजेवाल, डीटीओ संजीव चौधरी अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

घर से भैंस और पर्स चोरी

हनुमानगढ़,(कासं)। गोलूवाला थाना इलाके में पिकअप सवार 2 व्यक्तियों ने घर में घुसकर भैंस और पर्स चोरी कर लिया। मकान मालिक की आंख खुली तो भैंस और पर्स गायब मिले। मामले में पीड़ित ने एक नामजद सहित 2 लोगों के खिलाफ गोलूवाला पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

एएसआई विजयसिंह ने बताया कि मनोहर लाल पुत्र मनफूल राम नायक निवासी अमरसिंहवाला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 8 मार्च को सुबह करीब 4 बजे उसकी आंख खुली तो कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाकर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ पड़ा था। उसका पर्स घर में नहीं मिला। पर्स में 500 रुपए नकद और आधार कार्ड रखे हुए थे। बाहर आकर देखने पर भैंस भी गायब मिली।

मनोहर लाल के अनुसार कुछ लोग रात के समय घर में घुसकर उसका पर्स और भैंस चोरी कर ले गए। उसने अपने परिवार के सदस्यों के साथ गांव में इधर-उधर तलाश की। इसी दौरान गांव में रहने वाले जगदीश ने उसे बताया कि 8 मार्च को पानी लगाते समय उसने और गिरधारी ने पिकअप जीप को देखा। पिकअप के साइड में खान मोटर्स लिखा हुआ था।

आरोप बदनाम करने की साजिश : कालवा

■ सूरतगढ़ पालिकाध्यक्ष कालवा विधायक कासनिया के साथ मीडिया से रूबरू हुए

सूरतगढ़,(कासं)। भाजपा में शामिल होने के बाद सूरतगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष मास्टर ओमप्रकाश कालवा विधायक रामप्रताप कासनिया की उपस्थिति में पहली बार मीडिया से रूबरू हुए।

होटल में प्रेस वार्ता करते हुए पालिका अध्यक्ष कालवा ने खुद पर लगे आरोपों को बेबुनियाद और झूठा बताते हुए उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया। कालवा ने कहा कि मील परिवार के गलत कार्य नहीं करने के कारण उनकी राजनीतिक हत्या की जा रही है। इसी कारण उन्हें राष्ट्रहित की सोच रखने वाली भाजपा में शामिल होना पड़ा।

प्रेस वार्ता में पालिका अध्यक्ष ने पिछले दिनों कांग्रेस के पूर्व विधायक गंगाजल मील आदि की ओर से की गई प्रेस कांफ्रेंस में लगाये सभी आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सीवरेज प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार का जबरदस्त होवा बनाया जा रहा है। जबकि इस मामले में दो बार एफआर लग चुकी है। रूडसिको के अधीक्षण अभियंता के आदेश के बाद अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर सहायक अभियंता के सत्यापन के बाद ईओ की स्वीकृति पर ही लेखा शाखा ने भुगतान किया था। इसके बाद शिकायत होने पर उन्होंने संबंधित समस्त बकाया भुगतान रोकने और बैंक गारंटी के 8 करोड़ 90 लाख रूपये रोक दिए।

वहीं कालवा ने नगर पालिका के नए भवन के निविदा में साझेदारी के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह दरें निदेशालय की समिति ने अनुमोदित की थी। वार्ड नंबर 10 में आधा पट्टा रिश्तेदार के नाम बनवाने के आरोप पर पालिका अध्यक्ष ने चैलेंज किया कि अगर यह आरोप साबित कर दें तो वे पद से त्याग पत्र दे देंगे और अगर ऐसा ना है तो मील परिवार को राजनीति से सन्यास लेना होगा।

जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की

बीकानेर, (कासं)। कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के तहत जिले में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की।

जिला कलेक्टर ने कहा कि कई कार्यों में सामग्री की राशि का भुगतान कर दिया गया है और वहां मौके पर अब तक कार्य नहीं हुआ है। अधिकारी मॉनिटरिंग करें और गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूरे करवाना सुनिश्चित करें। कनेक्शन के बाद ही भुगतान किया जाए अन्यथा मिशन में अपेक्षाकृत प्रगति नहीं हो सकेगी। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद ने कहा यदि पाइपलाइन आरओडब्लयू के किनारे पर उचित गहराई पर नहीं हो तथा यदि निर्धारित मापदंडों की अनुपालना नहीं होती है तो संबंधित ठेकेदार को पुनः पाइपलाइन डलवाने के लिए पाबंद करें अन्यथा भुगतान नहीं किया जाए। बैठक में अधीक्षण अभियंता पीएचईडी राजेश पुरोहित ने मिशन के तहत अब तक हुए कार्य की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 85 प्रतिशत से अधिक ग्राम पंचायत भवन तथा 89 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य केंद्र में कनेक्शन दे दिए गए हैं। 85.77 प्रतिशत स्कूलों तथा 95.91 फीसदी आंगनबाड़ी केन्द्रों में कनेक्शन कर दिया गया है।

शेरसिंह की मूर्ति का अनावरण

हनुमानगढ़,(कासं)। स्वामी केशवानंद स्मृति चेरिटेबल ट्रस्ट में 2023-24 के बजट बैठक का आयोजन ट्रस्ट अध्यक्ष जस्टिस जगत सिंह ज्याणी की अध्यक्षता में किया गया।

ट्रस्ट महासचिव हेमराज गोदारा ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। इसी बैठक के दौराने ट्रस्ट कार्यालय में शिक्षाविद सरदार शेर सिंह तूर की मूर्ति का अनावरण जस्टिस जगत सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान हेमराज गोदारा, चौ. रघुवीर सिंह भादू, रविकांत रिणवा, राकेश कुमार ढाका, जयपाल सिंह चौधरी, डॉ. सुशीला चौधरी, डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां, प्रहलाद सिंह झींझा, शबनम गोदारा, सीताराम सोमानी, बबीता चौधरी मौजूद थे।

भगवानगढ़ में 2.14 करोड़ की लागत से बनेगा वॉटर वर्क्स

■ 4 डीबीएन के 4 हजार से अधिक ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिलेगा

सूरतगढ़,(कासं)। ग्राम पंचायत भगवानगढ़ के चक 1 डीबीएन-बी में जल जीवन मिशन के तहत गांवों में घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए सूरतगढ़ पंचायत समिति सदस्य हेतराम मील ने आज वाटर वर्क्स के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

सरपंच प्रतिनिधि गगनदीप सिंह भंगू ने बताया कि 50 सालों से अधिक समय से ग्रामीण पेयजल की समस्या से जूझ रहे थे। लम्बे समय से ग्रामीण पेयजल के लिए वाटर वर्क्स निर्माण की मांग कर रहे थे। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि पंचायत समिति सदस्य हेतराम मील के प्रयासों से चक एक डीबीएन-बी,चक तीन डीबीएन और चार डीबीएन के ग्रामीणों के लिए वाटर वर्क्स के निर्माण के लिए जल जीवन मिशन के तहत 2.14 करोड़ से अधिक का बजट पारित हुआ है।

सरपंच प्रतिनिधि गगनदीप सिंह भंगू ने बताया कि वाटर वर्क्स के निर्माण होने के बाद भगवानगढ़ ग्राम पंचायत के चक 1 डीबीएन-बी,चक 3 डीबीएन और 4 डीबीएन के करीब 4 हजार से अधिक ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। वाटर वर्क्स का निर्माण कार्य जून माह तक पूरा हो जायेगा। गर्मी के मौसम में इन तीन गांवों में पूर्व की तरह पेयजल समस्या से छुटकारा मिल सकेगा। वाटर वर्क्स के शिलान्यास के मौके पर ग्रामीणों ने पंचायत समिति सदस्य हेतराम मील और सरपंच प्रतिनिधि गगनदीप सिंह भंगू का आभार प्रकट करते हुए मिठाई बांटी।

कलेक्टर ने राजस्थान सांस्कृतिक महोत्सव की तैयारियों की जानकारी ली

■ 29 और 30 मार्च को सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया जायेगा

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल (बाएं) ने राजस्थान दिवस पर होने वाले सांस्कृतिक महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान दिवस के अवसर पर 20 से 30 मार्च तक राजस्थान सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया जायेगा।

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल की अध्यक्षता में सोमवार को इस महोत्सव की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलाल ने बताया कि 20 से 27 मार्च तक ब्लॉक स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन होंगे। आयोजन से जुड़ी समस्त तैयारियां पूरी करने के लिए उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तर पर समिति गठित की गई है। 29 और 30 मार्च को जिला मुख्यालय पर राजस्थान सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि मुख्य कार्यक्रम धरणीधर मैदान में होगा जिसमें शास्त्रीय और लोक संस्कृति पर आधारित विभिन्न प्रकार के गीत नृत्य, संगीत की प्रस्तुति दी जायेगी। जिला कलेक्टर ने कहा कि बीकानेर की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक विरासत को समाहित करते हुए कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए सीईओ जिला परिषद की अध्यक्षता में कमेटी गठित समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगी।

जिला कलेक्टर ने कहा कि शहर की सार्वजनिक दीवारों, सर्किल आदि पर बिना अनुमति के पोस्टर बैनर लगे पाए गए तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। नगर निगम को ऐसे समस्त पोस्टर इत्यादि हटवाने की कार्रवाई के निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि हटाने की लागत जोड़ते हुए संबंधित संस्थान के विरुद्ध सख्त एक्शन लें। कलाल ने कहा कि वर्ष 2023-24 की बजट घोषणा में संबंधित विभाग भूमि चिन्हीकरण के प्रस्ताव 15 मार्च तक आवश्यक रूप से भिजवा दें।

उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं के तहत स्थाई निर्माण नहीं होने तक अस्थाई रूप से कार्य संचालन के लिए स्थान के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग, डिस्कॉम, बीकेईएसएल, आईजीएनपी सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए।

संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का तीन दिन में निस्तारण करें : कलेक्टर

गंगानगर कलेक्टर सौरभ स्वामी ने विभागीय प्रगति व मौसमी बीमारियों की समीक्षात्मक बैठक ली।

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला स्तरीय अधिकारियों की विभागीय प्रगति एवं मौसमी बीमारियों की समीक्षात्मक बैठक सोमवार सुबह कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला कलेक्टर सौरभ स्वामी की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागों के मुख्यमंत्री की बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलेक्टर ने राजस्थान संपर्क पोर्टल और सीएमओ प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर पर संपर्क पोर्टल के लंबित प्रकरणों को गंभीरतापूर्वक लिया जा रहा है और इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी हो रही है।

इसलिए प्राथमिकता से लंबित प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। आगामी 3 दिनों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करवाएं। बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग गंभीरतापूर्वक कार्य करें ताकि समय रहते कार्य पूर्ण किये जा सकें। बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं, बीस सूत्री कार्यक्रम की समीक्षा की।

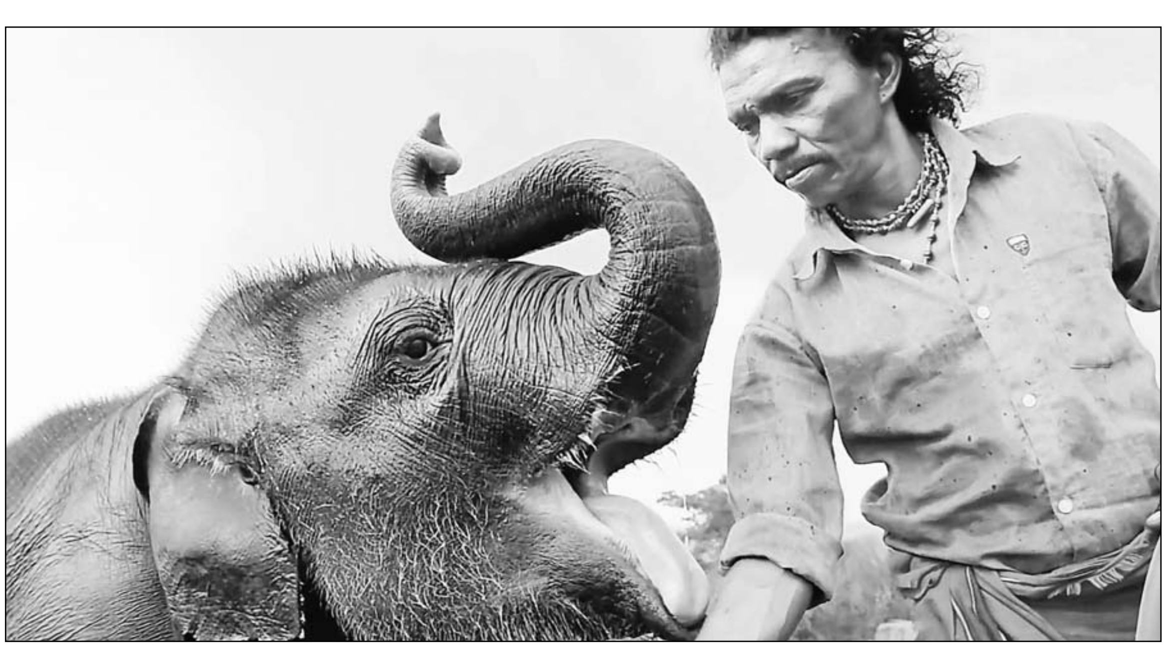

ऑस्कर अवॉर्ड समारोह भारत के लिए दोहरी खुशी साबित हुआ। नाटू नाटू के अलावा शॉर्ट फिल्म ''द एलिफैंट विस्परर्स'' को बैस्ट डॉक्युमैंटरी शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड दिया गया। पिच्चानवे ऑस्कर अवॉर्ड समारोह पर, सोमवार अल सुबह से ही सबकी निगाहें थीं। उस समय हर भारतीय खुशी से झूम उठा जब भारतीय फिल्म ''द एलिफैंट विस्परर्स'' के नाम की घोषणा बैस्ट डॉक्युमैंटरी शॉर्ट फिल्म के लिए हुई। इस फिल्म को कार्तिकी गोंज़ाल्विस ने डायरैक्ट किया है। ''द एलिफैंट विस्परर्स'' 8 दिसम्बर 2022 को रिलीज़ हुई थी। 39 मिनट की यह इंडियन अमेरिकन शॉर्ट डॉक्युमैंटरी एक दम्पति और हाथी के दो बच्चों की कहानी है। यह कहानी तमिलनाडु के मुदुमलाई टाइगर रिज़र्व की है, जहां यह दम्पति हाथी के दो अनाथ बच्चों को गोद लेता है और उनकी देखभाल करता है। फिल्म के निर्माता गुनीत मोंगा और अचिन जैन हैं।

इस साल 10 लाख भारतीयों को वीज़ा देगा अमेरिका

अमेरिकी दूतावास ने कहा कि, हम पहले ही इस साल 2 लाख भारतीयों का वीज़ा प्रोसैस कर चुके हैं

- **अमेरिकी दूतावास के अनुसार, साल 2022 में यू.एस. स्टेट डिपार्टमेंट ने पूरी दुनिया से करीब 90 लाख अप्रवासी वीजा प्रोसैस किए थे। इन वीजा में बिजनेस, ट्रैवल, स्टूडेंट और क्रू वीजा शामिल हैं।**
- **अपने टारगेट को पूरा करने के लिए अमेरिकी दूतावास में स्टाफ बढ़ाया जा रहा है।**

वॉशिंगटन, 13 मार्च। अमेरिका की तरफ भारतीयों के लिए गुड न्यूज है। पिछले महीने अमेरिका ने भारतीयों के लिए वीजा स्लॉट खोले थे। अब एक और बार अमेरिका ने भारतीयों को एक और बड़ी सौगात दी है। अमेरिका ने ऐलान किया है कि वह 10 लाख भारतीय नागरिकों को इस साल वीजा जारी करेगा।

अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी मिशन ने पहले ही भारत में हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावासों में दो लाख से अधिक आवेदनों को प्रोसेस किया गया है। हम 2023 में 10 लाख से अधिक गैर-अप्रवासी वीजा आवेदनों को प्रोसेस करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ट्रैक पर हैं।

अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा लक्ष्य दस लाख वीजा आवेदनों को प्रोसेस करना है, जिसमें सभी श्रेणियों के गैर-अप्रवासी वीजा शामिल हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, साल 2022 में यू.एस. स्टेट डिपार्टमेंट ने पूरी दुनिया से करीब 90 लाख अप्रवासी वीजा प्रोसेस किए थे। इन वीजा में बिजनेस, ट्रेवल, स्टूडेंट और क्रू वीजा शामिल हैं।

अपने टारगेट को पूरा करने के लिए अमेरिकी दूतावास में स्टाफ बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा ड्रॉप-बॉक्स सुविधाओं के दायरे का विस्तार किया जा रहा है और भारतीय नागरिकों के लिए प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए वीकएंड में इंटरव्यू स्लॉट खोलने की तैयारी भी की जा रही है। वीजा के लिए वेटिंग टाइम पहले ही काफी कमी आई है।

जनवरी में अमेरिकी दूतावास ने शनिवार को इंटरव्यू स्लॉट देने की शुरुआत की थी। इसका मकसद करोना महामारी की वजह से वीजा के बैकलॉक को क्लियर करना था। एक बयान में अमरिकी मिशन ने बताया कि उसने भारत में मौजूद अपने दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद के ऑफिसों में स्टॉफ की संख्या बढ़ाई है।

मंत्री धारीवाल बोले, शहीद लाम्बा की पत्नी देवर के नाते गई, अब नौकरी मांग रही, तमाशा है क्या?

उन्होंने कहा, सांसद किरोड़ी लाल का कृत्य आतंकी से कम नहीं होता, सरकार कैसे बर्दाश्त करेगी

- **विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री की इस दोनों टिप्पणियों पर जमकर हंगामा मचा, भाजपा विधायकों ने 70 मिनट तक वैल में आकर नारेबाजी की।**
- **उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने नाराजगी जताते हुए कहा, ''सदन में वीरांगना का चरित्र-हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे, मंत्री में शर्म है कि नहीं? या तो वीरांगना के नाते जाने का सबूत मंत्री दें, नहीं तो इस्तीफा सौंपें।''**
- **स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी ने हंगामा बढ़ता देखकर सदन में शहीदों के मुद्दे पर हो रही चर्चा खत्म करवा दी, बाद में धारीवाल के शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटवाकर शांत कराया।**

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 13 मार्च। विधानसभा में संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने पुलवामा हमले में शहीद हुए रोहिताश लाम्बा की वीरांगना के देवर के नाते जाने का दावा किया। इतना ही नहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के कृत्य को भी आतंकी जैसा बता दिया। धारीवाल की इन दोनों टिप्पणियों के चलते सदन में जमकर हंगामा मचा। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ समेत तमाम भाजपा विधायकों ने इस पर नाराजगी जताते हुए तकरीबन 70 मिनट तक वैल में नारेबाज़ी की। राठौड़ ने कहा, वीरांगना का चरित्र-हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे, मंत्री में शर्म है कि नहीं? वीरांगना के नाते जाने का सबूत दें, नहीं तो मंत्री अपना इस्तीफा सौंपे। सांसद को आतंकी कह रहे हैं, यह बर्दाश्त नहीं होगा।

सदन में हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने शहीदों के मुद्दे पर हो रही चर्चा खत्म करवा दी, बाद में धारीवाल के शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटवाकर मामला शांत कराया।

दरअसल सोमवार को शून्यकाल में आधा दर्जन विधायकों ने बीते 10 दिनों से राजधानी जयपुर में धरने पर बैठी वीरांगनाओं का मुद्दा उठाया था। जिस पर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने दोपहर 2 बजे अलग से चर्चा करवाने और सरकार की तरफ से जवाब दिलाने की व्यवस्था दी।

संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने सरकार की ओर से जवाब देते हुए सदन में कहा कि, ''शहीद रोहिताश लांबा की पत्नी का देवर तो पहले से शादीशुदा था। उसके दो बच्चे हैं। फिर लाम्बा की पत्नी देवर के नाते चली गई। अब नाते जाकर कहती है कि मेरे देवर को नौकरी दो। भाई वाह, तमाशा है क्या? कहीं ऐसा हुआ है कि नियमों के खिलाफ किसी को नौकरी मिल गई हो। नियम के तहत जिसे नौकरी मिलनी होगी, उसे मिलेगी। जो शहीद हुए, उसके दोनों बच्चे मौजूद है। नौकरी पर हक उनका है। इस मामले में राजनीतिक रोटियां सेंकने से काम नहीं चलेगा।

इसके बाद धारीवाल ने सांसद किरोड़ीलाल के कृत्य को आतंकी करार दिया। उन्होंने कहा राजनीति में रुचि लेने वाला हर व्यक्ति जानता है कि किरोड़ीलाल जिस प्रकार का कृत्य करते हैं। वह किसी आतंकी से कम नहीं होता। किरोड़ीलाल जैसा सांसद नियम जानते हुए भी नियम के खिलाफ जाकर आंदोलन करे, शांति भंग करने की कोशिश करें। कैसे बर्दाश्त करेंगे। कानून की पालना करने वाली सरकार यह कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती।

धारीवाल के कमेंट पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि एक वीरांगना के लिए यह बात कह देना कि नाते चली गई। बहुत गलत है। आप मेरा इस्तीफा रख लीजिए। मंत्रीजी, क्या आप में थोड़ी भी शर्म नहीं है? एक वीरांगना का चरित्र हनन करेंगे। उस पर कीचड़ उछालेंगे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आपके पास क्या सबूत है कि नाते चली गई? हम वीरांगना का चरित्र हनन बर्दाश्त नहीं करेंगे और आप एक सांसद को आतंकी कह रहे हैं।

भाजपा विधायक मदन दिलावर ने कहा कि वीरांगनाओं को अस्पताल ले जाने की बात कहकर धरने से उठाया। फिर गांवों में ले गए। वीरांगना मंजू जाट से इतनी मारपीट की गई कि वह बोल नहीं पा रही थी। आप वीरांगनाओं से मारपीट करवाते हो। वादाखिलाफी करते हो। वीरांगनाओं से अत्याचार करोगे। कौन कल देश की रक्षा करने सेना में जाएगा? वीरांगनाओं से मारपीट करने वाले और वादाखिलाफी करने वाले देशद्रोही हैं। इन पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

भाजपा विधायक रामलाल शर्मा, कालीचरण सराफ ने कहा कि पुलवामा शहीदों की वीरांगनाओं से सरकार के मंत्रियों ने वादे किए थे। वे वादे ही तो याद दिला रही थीं। मंत्री शहीदों के अंतिम संस्कार के वक्त परिजन नौकरी देने का वादा करके आए थे।

धारीवाल के कमेंट पर भाजपा विधायकों ने सदन में जमकर हंगामा किया।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ समेत तमाम भाजपा विधायकों ने वैल में उतरकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सदन में हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने मंत्री के इस जवाब के बाद जनजाति क्षेत्रीय विकास और महिला बाल विकास की अनुदान मांगों पर बहस शुरू करवा दी। भाजपा विधायकों ने वैल में आकर नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच ही करीब छह विधायक अनुदान की मांगों पर बोलते रहे।

इससे पहले धारीवाल ने सरकार की तरफ से जवाब देते हुए कहा कि वीरांगनाओं के मुद्दे पर सांसद किरोड़ीलाल पहली बार धरने पर बैठे तो उस वक्त गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव से वार्ता हुई। उसमें वे मान गए और 15 दिन दे दिए। पर उस बात से पलट गए, जैसी इनकी आदत है। बाद में इन्होंने कहा कि सीएमओ के अफसर से मिलवाइए। सीएम सचिव आरती डोगरा से वार्ता करवाई गई। वे इससे संतुष्ट हो गए, धरना खत्म करने पर सहमत हो गए। लेकिन फिर पलट गए। बाद में वीरांगनाओं के साथ सचिन पायलट के आवास के बाहर धरने पर बैठ गए।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि 6 मार्च को वीरांगनाएं सचिन पायलट से मिली। पायलट ने उन्हें उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिर वे उनके आवास के बाहर धरने पर बैठ गईं। किरोड़ी शहीद स्मारक पर धरने पर बैठे रहे। गत 9 मार्च को किरोड़ी ने बिना अनुमति कूच किया। प्रदर्शन किया, इस पर उनके और समर्थकों के खिलाफ सोडाला थाने में मुकदमा दर्ज किया। किरोड़ीलाल के वीरांगना मंजू के गांव जाने से वहां शांति को खतरा था। उन्हें सामोद में रोका गया। वहां उनके समर्थकों ने पुलिस से बदसलूकी की। किरोड़ीलाल और समर्थकों को वरिष्ठ पुलिस अफसरों ने समझाया, लेकिन उन्होंने गाली गलौच की। इस पर पुलिस ने उन्हें हटाया।

रास्ते में बीपी (ब्लड प्रेशर) की शिकायत होने पर उन्हें गोविंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया था। सामोद थाने में मुकदमा दर्ज किया है। इसके बाद भाजपा के प्रदर्शन में जयपुर में पुलिस की तीन गाड़ियां तोड़ी गई, इस पर अशोक नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया है।

वन रैंक वन पैंशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने उस संदेश को तुरन्त वापस ले, जिसमें कहा गया था कि ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स चार किश्तों में दिया जायेगा।

अटॉर्नी जनरल और वेंकटरामानी ने कहा कि केन्द्र पूर्व सैनिकों को ओ.आर.ओ.पी. की पहली किस्त का भुगतान कर चुका है लेकिन आगे और भुगतान करने के लिये उसे कुछ और समय चाहिये।

बैंच ने वैंकटरामानी से कहा, ''पहले ओ.आर.ओ.पी. के भुगतान से संबंधित (अपनी) 20 जनवरी की अधिसूचना को वापस लीजिये, उसके बाद ही, हम समय संबंधी आपकी अर्जी पर विचार करेंगे।''

बैंच ने कहा कि रक्षा मंत्रालय की 20 जनवरी की अधिसूचना उसके (अदालत) के निर्णय के पूरी तरह विपरीत थी।

बैंच ने अटॉर्नी जनरल से कहा कि वे एक नोट तैयार करें, जिसमें किये जाने वाले भुगतान की मात्रा, भुगतान के लिये अपनाये जाने वाले तरीको का विस्तृत विवरण दिया जाये तथा यह भी बताया जाये कि एरियर्स के भुगतान के समय एवं राशि की प्राथमिकताएं क्या होंगी।

शीर्ष अदालत एडवोकेट बालाजी श्रीनिवासन के माध्यम से इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमैंट (आई.ई.एस.एम. द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई कर रही है। याचिका में आई.ई.एस.एम. ने माँग की है कि रक्षा मंत्रालय की 20 जनवरी की अधिसूचना रद्द कर दी जाये। 27 फरवरी को, शीर्ष अदालत ने सशस्त्र सेनाओं के पात्र पेंशनरों को ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स के भुगतान में विलम्ब को लेकर रक्षा मंत्रालय की खिंचाई की थी तथा संबंधित सचिव से ऐसी अधिसूचना जारी करने का स्पष्टीकरण माँगा था, जिस अधिसूचना में अदालत द्वारा तय की गई भुगतान की टाइमलाइन को बढ़ा दिया गया था। 9 जनवरी को शीर्ष अदालत ने ओ.आर.ओ.पी. के कुल एरियर्स के भुगतान के लिये केन्द्र को 19 मार्च तक का समय दिया था।

लेकिन 20 जनवरी को रक्षा मंत्रालय ने ऐसी अधिसूचना जारी कर दी थी कि एरियर्स चार वार्षिक किश्तों में दिये जायेंगे।

बी.बी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि ''बी.बी.सी. के लिए निष्पक्षता महत्वपूर्ण है। जब लोगों को विभिन्न सोशल मीडिया प्रोफाइल्स एवं ऑडिएन्सेस के साथ विभिन्न कॉन्ट्रैक्ट्स व ऑन एयर पोज़ीशन्स दी जाती हैं तब बिगड़ी स्थिति को पटरी पर लाने के लिए संतुलन स्थापित करना कठिन होता है।''

उन्होंने आगे कहा कि लिनेकर जैसे फ्रीलांसर्स सहित सोशल मीडिया गायडैन्स को कैसे संचालित किया जा सकता है, उस पर एक स्वतंत्र रिव्यू किया जाएगा।

अलवर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रोजैक्ट की फंडिंग भी शामिल है, संबंधित एयरपोर्ट डैवलपर और संबंधित राज्य सरकारों की होगी बशर्ते एक राज्य सरकार ने प्रोजैक्ट प्रस्तावित किया हो। जनरल सिंह ने कहा कि देश भर में 21 ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाए जाने हैं। इनमें से 11 पहले से काम कर रहे हैं। ये है- शिर्डी, कन्नूर, पकयोंग, कलबुर्गी, ओरवकाल (कुर्नूल) सिंहदुर्ग, कुशीनगर, इटा नगर, मोपा, शिवा मोगा।

सिलिकॉन वैली बैंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विफल होने से एक विषम चक्र चलने की आशंकाएं पैदा कर दी हैं। तथापि यह विफल बैंकों के एक गंभीर पतन के बजाए वर्ष 2008 के ग्लोबल फायनैंशियल संकट की याद अधिक ताजा करता है। वर्तमान के बैंक वर्ष 2008 के बैंकों की तुलना में कहीं अधिक कैपिटलाइज़्ड और मैनेज्ड हैं तथा रैग्यूलेटर्स ने आश्वस्त किया कि किसी प्रकार के चेन रिएक्शन की आशंका नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय परिप्रेक्ष्य में अमेरिकी बैंकों की विफलता के प्रति निराशाजन प्रतिक्रिया की जरूरत नहीं है।

यद्यपि सभी विशेषज्ञ इस बात पर सहमत थे कि एस.वी.बी. की विफलता का भारतीय बैंकिंग सैक्टर पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा, फिर भी इनकी खबर ने निवेशकों के मनोभावों पर एक मनोवैज्ञानिक असर डाला। प्राइवेट सैक्टर के कुछ बैंकों सहित बैंकों के शेयर भावों में भारी गिरावट आई।

फिर भी, भारत का बैंकिंग सैक्टर किसी बुरी स्थिति से फिलहाल थोड़ा सुरक्षित महसूत कर रहा है।

महंगाई की वर्तमान दर ट्रैंड में मामूली सुधार दर्शा रही है। यह दर 6.5 प्रतिशत से गिरकर 6.44 प्रतिशत पर आ गई है। तथापित महंगाई का वर्तमान स्तर रिज़र्व बैंक द्वारा तय सहनशक्ति के स्तर से ऊपर चल रहा है।

आर.बी.आई. ने महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत, यानि कि 2 प्रतिशत प्लस या माइनस तय किया था। उसके हिसाब से वर्तमान महंगाई दर आर.बी.आई. के टॉलरैन्स बैण्ड से अधिक है।

यद्यपि, अमेरिकी बैंकों की विफलता और आम निराशा से निर्मित संवेदनशील स्थिति को ध्यान में रखते हुए, उम्मीद है कि आर.बी.आई. महंगाई का मुकाबला करने के लिए ब्याज दर में फिलहाल और कोई वृद्धि नहीं करेगा।

ब्याज दर में की जाने वाली कोई भी वृद्धि प्राय: बैंकों के असैट पोर्टफोलियो पर विपरीत असर डालती है क्योंकि बैंकों के पास आमतौर पर बॉण्ड्स के फार्ज बैग होते हैं और जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तब बॉण्ड्स का मूल्य प्रभावित होता है।

बैंकों की विफलता की खबरों के बाद सरकार भी सक्रिय हो रही है। एस.वी.बी. के ध्वस्त होने के बाद किसी संभावित कठिनाई को कम करने को लेकर सरकार भारतीय स्टार्ट अप्स के बारे में सोच रही है, क्योंकि बताया जाता है कि अधिकांश स्टार्ट अप्स ने अपने फण्ड्स एस.वी.बी. में रखे हुए थे।

'पहली बार देखा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा- दोनों ही सदनों में सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य इंगलैंड में लोकतंत्र को लेकर की गई राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर जबरदस्त नारेबाजी कर रहे थे।

लोकसभा में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत सप्ताह राहुल गांधी द्वारा भारत के लोकतंत्र पर की गई टिप्पणियों को लेकर उनकी आलोचना की तथा भाजपा सदस्यों द्वारा किये जा रहे राहुल-विरोध को नेतृत्व प्रदान किया। संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने राजनाथ सिंह का समर्थन करते हुये, माँग की कि राहुल गांधी अपनी टिप्पणियों के लिये माफी माँगें। दोनों सदन सुबह ही अपरान्ह 2 बजे तक के लिये स्थगित कर दिये गये, किन्तु उसके बाद, जब दोनों ही तरफ से हंगामा और शोर-शराबा जारी रहा, तो सदन पूरे दिन के लिये स्थगित कर दिये गये। पहले स्थगन से पूर्व, कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों में सत्ता पक्ष की नारेबाजी के जवाब में, अपनी पुरानी माँग दोहराई कि प्रधानमंत्री मोदी की सहायता से गौतम अडानी के उत्थान की जाँच जॉइन्ट पार्लियामैन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) से कराई जाये। राज्यसभा में दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे लम्बे समय से संसद में हैं लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं देखा कि सत्तारूढ़ पार्टी सदन को काम न करने दे, जैसा कि राहुल की क्षमा-याचना के लिए भाजपा सदस्यों की नारेबाजी में दिखाई दे रहा था।

समलैंगिक विवाह के मुकदमे की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा

अब इस केस की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की वृहद बैंच करेगी

- **मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की बैंच ने सोमवार को मामले में संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले को संविधान बैंच के समक्ष विचार के लिए भेजने का फैसला सुनाया।**

नई दिल्ली, 13 फरवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ समलैंगिक जोड़े की शादी को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर 18 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी और इस अदालती कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने सोमवार को मामले में संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले को संविधान पीठ के समक्ष विचार के लिए भेजने का फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि संविधान पीठ 18 अप्रैल से इस मामले की सुनवाई शुरू करेगी।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद कहा, हम संविधान के अनुच्छेद 145 (3) का इस्तेमाल करेंगे और पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा इस मामले का फैसला किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने संविधान पीठ के समक्ष मामले को अंतिम सुनवाई के लिए भेजते हुए कहा कि सम्मान के साथ जीने के अधिकार सहित विभिन्न अधिकारों के परस्पर प्रभाव के मद्देनजर यह मुद्दा मौलिक महत्व का है।

केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष तर्क देते हुए कहा कि प्रेम, अभिव्यक्ति और पसंद की स्वतंत्रता के अधिकार को पहले ही उच्चतम न्यायालय द्वारा मान्यता दी जा चुकी है। कोई भी उन अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है, लेकिन जहां तक विवाह का अधिकार प्रदान करने का सवाल है यह तो विधायिका के विशेष क्षेत्र में आता है।

मेहता ने हालांकि कहा कि यदि एक मान्यता प्राप्त संस्था के रूप में विवाह समान लिंग के बीच आता है तो गोद लेने पर सवाल आएगा और इसलिए संसद को बच्चे के मनोविज्ञान के मुद्दे को देखना होगा।

'इलाहाबाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मस्जिद हाई कोर्ट और यू.पी. सुन्नी सैंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिका खारिज कर दी जिसने इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नवम्बर 2017 के आदेश को चुनौती दी थी।

जस्टिस एम.आर. शाह और सी.टी. रवि कुमार की बैंच ने याचिकाकर्ताओं को अनुमति दी कि मस्जिद के लिए आसपास अन्य जमीन मांगने के लिए आवेदन कर सकते है। कोर्ट ने कहा कि यह जमीन लीज़ पर या और लीज़ खत्म हो चुकी है इसलिए याचिकाकर्ता इस पर दावा नहीं कर सकते है।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, जो मस्जिद प्रबंध समिति के वकील हैं, ने कहा कि यहां पर 1950 के दशक से ही मस्जिद है और इसे हटाने के लिए नहीं कहा जा सकता है। बैंच ने कहा कि लीज़ खत्म होने के बाद मस्जिद को हटाने के लिए कहा गया है।

भारत को एक साथ मिली दो ऑस्कर पुरस्कार जीतने की खुशी

''आर.आर.आर.'' फिल्म के गाने नाटू-नाटू को बैस्ट ओरिजनल सॉन्ग कैटगिरी में तथा ''द एलिफैंट विस्परर्स'' फिल्म को बैस्ट डॉक्यूमैंटरी शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड प्राप्त हुआ है

- **ऑस्कर अवॉर्ड्स में जीत का परचम लहराने वाली डॉक्यूमैंटरी फिल्म द एलिफैंट विस्परर्स की हर ओर तारीफ हो रही है। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने के बाद फिल्म सोशल मीडिया पर छाई हुई है। 39 मिनट की इस फिल्म में इंसान और जानवर के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है।**
- **''द एलिफैंट विस्परर्स'' फिल्म मात्र 39 मिनट की है लेकिन इसे बनाने में फिल्म की टीम को 5 साल मेहनत करनी पड़ी है।**

नई दिल्ली, 13 मार्च (वार्ता)। भारत की झोली इस बार ऑस्कर पुरस्कारों से भर गई है, एक साथ भारत को दो ऑस्कर अवॉर्ड प्राप्त हुये हैं। फिल्म ''आर.आर.आर.'' के नाटू-नाटू सॉन्ग को बैस्ट ओरिजनल सॉन्ग का ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने सोमवार को 95वें अकादमी पुरस्कारों में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार जीता। द एलिफेंट व्हिस्परर्स फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा ने और निर्देशन कार्तिकी गोंजाल्विस ने किया है।

इस लघु फिल्म की प्रतिस्पर्धा हॉलआउट, द मार्था मिशेल इफेक्ट, स्ट्रेंजर एट द गेट, और हाउ डू यू मेज़र ए ईयर से थी।

ऑस्कर अवॉर्ड्स में जीत का परचम लहराने वाली डॉक्युमेंट्री शॉर्ट फिल्म द एलिफेंट व्हिस्पर्स की हर ओर तारीफ हो रही है। ऑस्कर अवॉर्ड जीतने के बाद फिल्म सोशल मीडिया पर छाई हुई है। 39 मिनट की इस फिल्म में इंसान और जानवर के बीच के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस मूवी को बनाने का सफर काफी दिलचस्प रहा है।

द एलिफेंट व्हिस्पर्स को कार्तिकी गोंजाल्विस ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा हैं। कुछ मिनटों की इस फिल्म की कहानी दक्षिण भारतीय कपल बोमन और बेली की है, जो रघु नाम के छोटे अनाथ हाथी की देखभाल करते हैं। इस डॉक्युमेंट्री फिल्म को तमिल भाषा में बनाया गया है, जिसे नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है।

कहने को तो द एलिफेंट व्हिस्पर्स 39 मिनट की पिक्चर है। लेकिन इसे बनाने में कार्तिकी गोंजाल्विस और गुनीत मोंगा ने पूरे पांच साल तक मेहनत की है। फिल्म की डायरेक्टर ने पांच साल तक बोमन और बेली की जिंदगी को करीब से देखा। छोटी से छोटी किसी भी जानकारी को बारीकी से गौर किया, जिसका परिणाम यह मिला कि उसे बड़ी ही खूबसूरती से फिल्म में दिखाया गया।

द एलिफेंट व्हिस्पर्स 8 दिसंबर, 2022 को रिलीज हुई थी। इस मूवी में इंसान और बेबी एलिफेंट के बीच की बॉन्डिंग को दिखाया गया है। कैसे एक कपल हाथी को अपने बच्चे की तरह पालता है, उसकी देखभाल करता है।

तेलंगाना में ... (प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सामना पार्टी के बहुत सारे पुरुष और महिलाएं कर रहे हैं।

जिस दिन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैदराबाद आये तथा उन्होंने सभी नेताओं को मिलकर पार्टी के लिये काम करने के निर्देश दिये थे, उसके एक दिन बाद ही भाजपा के एक अन्य नेता ने सवाल खड़ा किया था कि ये ऐसी चीजें हैं जिनके लिये हम कांग्रेस की आलोचना करते हैं तो फिर हम वैसा ही काम कैसे कर सकते हैं।

एक राजनैतिक विश्लेषक का कहना है कि राज्य में विभिन्न पार्टियों के लोगों का भाजपा में शामिल होना यह तो दर्शाता है कि भाजपा की अंदरूनी बनावट और बुनावट में कुछ फर्क तो है। लेकिन अब भाजपा के अंदरूनी मतभेद भी सामने आ रहे हैं। राजनैतिक विश्लेषक ने कहा कि अगर भाजपा सावधान न रही तो वह अपनी वो संभावनाएं गँवा बैठेगी, जो तेलंगाना में शानदार से भी बेहतर नज़र आ रही हैं। इस बीच, शेखर राव और अरविन्द ने बान्डी संजय की उन अशोभनीय टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है जो उन्होंने के.सी.आर. की पुत्री के. कविता के खिलाफ की थीं। बान्डी संजय ने तेलुगू में कहा था, ''ई.डी. उन्हें गिरफ्तार ही करेगा और क्या, उन्हें चूमेगा?'' संजय की यही वो टिप्पणी है जो भाजपा नेताओं को भी नागवार गुजरी है। इसी सिलसिले में, राज्य महिला आयोग ने बान्डी संजय को एक नोटिस जारी कर दिया है तथा उन्हें 15 मार्च को आयोग में तलब किया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI
NEXA
BOLD. INTUITIVE. INTELLIGENT.
Driving the New Age Baleno is pure thrill. It's power packed with hi-tech features that take your driving experience to a whole new level. Get ready to drive the bold side of technology.
CREATE. INSPIRE.
BALENO
Scan the QR code to know how tech goes bold.
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
1st in Segment
360 View Camera
1st in Segment
Head Up Display
22.86cm SmartPlay Pro+
6 Airbags^
In-built Suzuki Connect
NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants
DUAL FRONT AIRBAGS
ABS WITH EBD
PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
COMPLIANT WITH -
FULL FRONTAL IMPACT
FRONTAL OFFSET IMPACT
SIDE IMPACT
Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.
Contact us at
1800-200-6392
1800-102-NEXA
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE
BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL (AURIC MOTORS PH: 7412087314).
SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
Multiple financiers
Digital Document Upload
Live Loan status
Complete transparency (associated fees & charges)
*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities. Creative Visualization. Black Glass on vehicle is due to lighting effect. ^For details on funcioning of safety features including air bag,, kindly refer to the Owners manual.